शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 10 | अंक : 137 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

कस्टडी में मौत मामला, 4 पूर्व पुलिसकर्मियों को बरी किया

तिरुवंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को 2005 के पुलिस हिरासत में मौत से जुड़े मामले में 4 पूर्व पुलिसकर्मियों को बरी कर दिया। निचली अदालत ने 2018 में सभी को दोषी पाया था और दो को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने बताया कि मामले की जांच में सीबीआई का रवैया पक्षपातपूर्ण था। सीबीआई ने सही तरीके से जांच नहीं की। मामला साल 2005 का है। 28 वर्षीय उदयकुमार को तिरुवनंतपुरम के श्रीकंठेश्वरम पार्क से पुलिस ने पकड़ा था। आरोप है कि पुलिस ने पूछताछ के दौरान उसे यातनाएं दीं। उसी रोज, रात 11:40 बजे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उदय की मौत हो गई।

मणिपुर में सुरक्षाबलों को जंगल में मिली अमेरिकी एम16 राइफल

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने 26 और 27 अगस्त को इंफाल और माओहिंग-चांगौबुंग के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन में माओहिंग-चांगौबुंग के जंगलों से एम16 राइफल, बुलेटप्रूफ जैकेट और हैंड ग्रेनेड समेत कई हथियार बरामद हुए। इस ऑपरेशन के दौरान इंफाल के पास केसीपी-पीडब्ल्यूजी और केवायकेएल से जुड़े तीन उग्रवादियों को भी पकड़ा गया। पकड़े गए उग्रवादियों पर वसूली, अपहरण, फायरिंग और हथियारों की तस्करी के आरोप हैं।

गुजरात में हाईकोर्ट के जज का हुआ मध्यप्रदेश में तबादला

अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट के वकील एक जज संदीप भट्ट के प्रस्तावित ट्रांसफर पर हड़ताल पर उतर आए हैं। बुधवार को गुजरात हाईकोर्ट अधिवक्ता संघ ने जज के तबादले के खिलाफ न्यायिक कार्य नहीं किया। साथ ही मामले को लेकर छह सदस्यीय समिति बनाई है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में प्रस्तावित जज संदीप भट्ट के ट्रांसफर के खिलाफ गुजरात हाईकोर्ट के एडवोकेट्स एसोसिएशन (जीएचसीएए) ने 6 सदस्यीय समिति बनाई है। समिति का अध्यक्ष बृजेश त्रिवेदी हैं।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

पंजाब के सात जिलों में बाढ़

सेना पहुंची, एम्फीबियस गाड़ियों से रेस्क्यू, ये जमीन और पानी दोनों पर चल सकती हैं

नई दिल्ली। एजेंसी

पंजाब में बारिश के कारण 7 जिले और 150 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। रावी-ब्यास और सतलुज नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। राज्य में 30 अगस्त तक सभी स्कूल बंद हैं।

राज्य के अजनाला में रेस्क्यू ऑपरेशन की जिम्मेदारी सेना ने संभाल ली है। इस दौरान एम्फीबियस गाड़ियों से लोगों को निकाला जा रहा है। इनकी विशेषता है कि ये जमीन और पानी दोनों पर चलने में सक्षम हैं। जम्मू-कश्मीर में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 41 लोगों की मौत हो गई। जम्मू में झेलम और दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके चलते निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है।

हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण जनजीवन बेहाल है। बुधवार रात कई जगह भारी बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई है। राज्य के 3 जिलों में 2000 से ज्यादा टूरिस्ट फंसे हैं। राज्य में बाढ़ और बारिश की घटनाओं में अब तक 310 लोगों की मौत हो चुकी है। 369 लोग घायल हैं और 38 लापता हैं। 1240 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। इनमें 331 घर पूरी तरह से टूट चुके हैं।

केरल में बारिश के बाद लैंडस्लाइड, 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड हो गई। 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कुछ डैम ओवरफ्लो हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर में बारिश और बाढ़ में फंसे यात्रियों के लिए रेलवे ने जम्मू-दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई। जम्मू-पठानकोट में भारी बारिश से जम्मू संभाग में रेल सर्विस प्रभावित हुई है। रेलवे ट्रैक और पुल बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। जिससे सैकड़ों यात्री जम्मू रेलवे स्टेशन पर फंसे हुए हैं।

बिहार में घुसे 3 पाकिस्तानी आतंकी, 50 हजार का इनाम

एसपी बोले- मोतिहारी के रक्सौल बॉर्डर से घुसे, पूरे प्रदेश में अलर्ट

पटना। एजेंसी

बिहार में नेपाल के रास्ते 3 पाकिस्तानी आतंकियों ने घुसपैठ की है। पुलिस मुख्यालय ने तीनों की फोटो रिलीज की हैं। सभी के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की खबर है।

पुलिस ने जिन आतंकियों की फोटो जारी की है, उनके नाम हसनैन अली, आदिल हुसैन और मोहम्मद उस्मान हैं। हसनैन रावलपिंडी, आदिल उमरकोट और उस्मान बहावलपुर का रहने वाला है। पुलिस हेडक्वार्टर ने सभी जिलों को खुफिया तंत्र को एक्टिव रखने, इनपुट जुटाने और संदिग्धों पर कड़ी नजर रखने का आदेश दिया है।

वहीं मोतिहारी पुलिस ने तीनों आतंकियों पर 50 हजार रुपए इनाम की घोषणा की है। बिहार में घुसे तीनों आतंकियों का पासपोर्ट भी सामने आया है। बताया जाता है कि तीनों आतंकी मोतिहारी के रक्सौल बॉर्डर से बिहार में घुसे हैं।

केंद्र सरकार ने कहा- राज्य सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटीशन नहीं दे सकते

राष्ट्रपति-राज्यपाल अपने फैसलों के लिए कोर्ट में जवाबदेह नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल की विधानसभा से पास बिलों पर कार्रवाई के खिलाफ राज्य सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटीशन दायर नहीं कर सकते। केंद्र ने कहा कि राज्य सरकारें अनुच्छेद 32 का इस्तेमाल नहीं कर सकतीं। क्योंकि मौलिक अधिकार आम नागरिकों के लिए होते हैं, राज्यों के लिए नहीं।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति जानना चाहती हैं कि क्या राज्यों को ऐसा अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि

अनुच्छेद 361 के अनुसार राष्ट्रपति और राज्यपाल अपने फैसलों के लिए कोर्ट में जवाबदेह नहीं होते। केंद्र ने तर्क दिया कि कोर्ट राष्ट्रपति या राज्यपाल को कोई निर्देश नहीं दे सकती क्योंकि उनके फैसले न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते। वहीं, कोर्ट ने कहा कि यदि कोई राज्यपाल छह महीने तक बिल लंबित रखता है तो यह भी सही नहीं है।

सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने राज्य सरकारों की तरफ से भेजे बिलों पर राज्यपालों और राष्ट्रपति के साइन करने के लिए डेडलाइन लागू करने वाली याचिका पर सुनवाई की।

15 मई, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को एक संदर्भ दिया और अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों से जुड़े 14 सवालों पर कोर्ट की राय मांगी थी।

तमिलनाडु से शुरू हुआ था विवाद... यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

हिंदू आबादी घटी, दंगों की साजिश

योगी को संभल हिंसा की 450 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी गई

संभल, एजेंसी।

संभल हिंसा की विस्फोटक रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी गई। योग को सौंपी गई 450 पन्नों की रिपोर्ट में 24 नवंबर, 2024 को मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा और संभल में हुए दंगों की डिटेल भी है। इसके साथ ही क्षेत्र में जनसांख्यिकी बदलाव का भी उल्लेख है। हिंसा को लेकर पर रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि कभी यहां 45 फीसदी आबादी हिंदू थी, लेकिन आज यह घटकर 15-20 फीसदी रह गई है। रिपोर्ट सौंपे जाने के दौरान यूपी के पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन, पूर्व आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद भी मौजूद रहे।

सूत्रों के मुताबिक, साक्ष्य, डेमोग्राफिक बदलाव, दंगे और आतंकी नेटवर्क पर बड़ा खुलासा किया गया। गोपनीय रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी गई। इसे विधानसभा में रखा जाएगा।सूत्रों के मुताबिक, जिसमें सम्भल जनपद को लेकर कई चौंकाने वाले तथ्य दर्ज हैं। इसे पूर्व सुनियोजित साजिश बताया गया है। साथ ही कुछ तत्कालीन अफसरों की लापरवाही भी उजागर की गई है। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट में संभल के इतिहास में कब-कब कितने दंगे हुए, उन दंगों में क्या-क्या हुआ आदि के बारे में भी विस्तार से लिखा गया है। इसके साथ ही जिले की डेमोग्राफी बदलाव होने की बात कही गई है।

आगे की कार्रवाई की जा रही: प्रमुख सचिव गृह

संभल हिंसा न्यायिक आयोग की रिपोर्ट पर प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद ने बताया कि संभल घटना की जांच के लिए राज्य सरकार ने न्यायिक आयोग का गठन किया था। आयोग ने रिपोर्ट सीएम को सौंप दी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद ही मैं इस पर अधिक बात कर पाऊंगा।

ममता बोलीं- भाजपा का फैलाया भाषायी आतंक बर्दाश्त नहीं

कहा- जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी मताधिकार नहीं छीनने दूंगी

कोलकाता। एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वे किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। भाजपा बंगालियों पर भाषायी आतंक फैला रही है।

बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने वोटर लिस्ट से मतदाताओं के नाम हटाने के मकसद से करवाए जा रहे सर्वे के लिए दूसरे राज्यों से 500 से ज्यादा टीमें बंगाल में भेजी हैं। ममता ने कहा- लेकिन जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। आप खुद जांच करें कि आपका नाम अभी भी लिस्ट में है या नहीं। ममता कोलकाता में तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के स्थापना दिवस पर बोल रही थीं।

पश्चिम बंगाल ष्टरू ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। लेकिन उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीनों के लिए है, पूरे साल के लिए नहीं।

ममता ने पूछा- बंगाली भाषा ही नहीं तो राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत कैसे बना

बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। ममता बोलीं- अगर बंगाली भाषा ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं?

उन्होंने कहा- वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की ऐतिहासिक भूमिका को भूल जाएं। हम इस भाषायी आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनके पूर्वज अंग्रेजों के एजेंट थे जिन्होंने जेलों से बाहर निकलने के लिए वचन दिए थे।

पटना और दिल्ली में सबसे कम सुरक्षित, एनएआरआर की सालाना रिपोर्ट

मुंबई और कोहिमा देश में महिलाओं के लिए सबसे सेफ

नई दिल्ली।एजेंसी

कोहिमा, विशाखापट्टनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई देश में महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहर हैं। वहीं, पटना, जयपुर, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और रांची महिलाओं के लिए सबसे कम सुरक्षित शहर हैं।

यह जानकारी नेशनल एनुअल रिपोर्ट एंड इंडेक्स ऑन वुमेंस सेफ्टी 2025 में सामने आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोहिमा और दूसरे सबसे सुरक्षित शहरों में महिलाओं को ज्यादा समानता, नागरिक भागीदारी, बेहतर पुलिस व्यवस्था और महिलाओं के लिए अनुकूल इन्फ्रास्ट्रक्चर है।

वहीं, पटना और जयपुर जैसे

शहरों में हालात इसके उलट हैं। यह सर्वे 31 शहरों की 12 हजार 770 महिलाओं पर किया गया था। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने गुरुवार को इसकी रिपोर्ट जारी की।

91% महिलाएं वर्किंग प्लेस पर सेफ महसूस करतीं

सर्वे से शामिल 10 में से 6 महिलाओं ने खुद को अपने शहर में सुरक्षित कहा वहीं, 40% ज्यादा सुरक्षित नहीं या असुरक्षित मानती हैं। महिलाएं रात के समय पब्लिक ट्रांसपोर्ट और घूमने की जगहों पर कम सुरक्षित महसूस करती हैं।

एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में 86% महिलाएं सिर्फ दिन में खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं। रात में या कैंपस के बाहर सुरक्षा की भावना काफी कम हो जाती है। करीब 91% महिलाएं वर्किंग प्लेस पर सुरक्षित महसूस करती हैं।

3 में से 2 महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करतीं

सर्वे से पता चला कि सिर्फ 25% महिलाओं को ही सुरक्षा से जुड़ी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई का भरोसा है। 69% महिलाओं ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा उपाय कुछ हद तक पर्याप्त हैं। सिर्फ 65% ने 2023-2024 के दौरान महिला सुरक्षा में सुधार महसूस किया।

7% महिलाओं ने कहा कि उन्होंने 2024 में पब्लिक प्लेस पर हैरेसमेंट का अनुभव किया। 24 साल से कम उम्र की लड़कियों में यह आंकड़ा बढ़कर दोगुना यानी 14% हो गया। पब्लिक ट्रांसपोर्ट (29%) और पड़ोस (38%) को अक्सर उत्पीड़न होने वाली जगहों के रूप में बताया गया। फिर भी 3 में से सिर्फ 1 पीड़ित ने ही घटना की शिकायत की। रिपोर्ट में कहा गया है कि 3 में से 2 महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करती हैं। इसका मतलब है कि एनसीआरबी को ज्यादातर घटनाएं पता ही नहीं चलतीं। इसमें अपराध डेटा को एनएआरआई जैसे सर्वेक्षणों के साथ जोड़ने की बात कही गई।

विशेष सूचना

मिलिंद ठाकरे

राष्ट्रबाण से मिलिंद ठाकरे को सभी दायित्व से मुक्त कर दिया गया। राष्ट्रबाण के नाम पर मिलिंद ठाकरे से कोई किसी प्रकार का समाचार, विज्ञापन या सहयोग संबंधी लेन देन करता है तो उसका जवाबदार स्वयं की होगी। इस पर राष्ट्रबाण का कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

- प्रकाशक एवं संपादक

रूस ने कीव पर किया मिसाइल अटैक

EU की इमारत को नुकसान

3 बच्चों समेत 14 से ज्यादा की मौत

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. रूस और यूक्रेन के बीच करीब 4 साल से जंग जारी है और कोई भी देश बीच हटने को तैयार नहीं है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन जंग को खत्म कराने की तमाम कोशिश की हैं. हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिले थे और उसके बाद उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी मुलाकात की थी. हालांकि दोनों ही बैठकें बेनतीजा रहीं और जंग खत्म करने की दिशा में कोई ठोस फैसला नहीं हो सका.

रूसी हमले में 14 लोगों की मौत

अब रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित यूरोपियन यूनियन के प्रतिनिधिमंडल भवन पर हमला किया है. यूक्रेन का कहना है कि रूस ने कीव पर बड़े पैमाने पर हमले में किए हैं, जिनमें कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और 48 घायल हुए हैं. यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रूसी हमले में यूक्रेन में यूरोपीय संघ के मिशन की एक इमारत को भी नुकसान पहुंचा है. राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा कि कीव पर रूसी हमले में 14 लोग मारे गए, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल थे. उन्होंने बताया कि यूरोपीय यूनियम की बिल्डिंग सहित कई सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं.

'जंग खत्म नहीं करना चाहता रूस'

उन्होंने कहा कि रूस जंग खत्म करने का विकल्प नहीं चुन रहा है, बल्कि नए हमले कर रहा है. कीव में रातोरात दर्जनों इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, रिहायशी इलाके, ऑफिस सेंटर्स को नुकसान पहुंचा है. इनमें वह इमारत भी शामिल है जहां यूक्रेन में यूरोपीय संघ का प्रतिनिधिमंडल स्थित है. अब यह ज़रूरी है कि दुनिया मज़बूती से जवाब दे. रूस को यह युद्ध रोकना होगा जो उसने शुरू किया था और जारी है. जेलेंस्की ने कहा कि सीजफायर को नकारने और बातचीत से बचने की रूस की लगातार कोशिशों के लिए, नए और कड़े प्रतिबंधों की ज़रूरत है.

'यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़े हैं'

एंटोनियो कोस्टा ने कहा, 'मेरी संवेदनाएं यूक्रेनी पीड़ितों और वहां के कर्मचारियों के साथ हैं, जिनकी इमारत इस जानबूझकर किए गए रूसी हमले में क्षतिग्रस्त हुई है. यूरोपीय संघ इससे नहीं डरेगा. रूस की आक्रामकता यूक्रेन और उसके लोगों के साथ खड़े होने के हमारे संकल्प को और मज़बूत करती है.' रूस के खिलाफ जंग में यूरोपीय नेता यूक्रेन का खुलकर समर्थन कर रहे हैं. हाल ही ट्रंप के साथ मुलाकात के दौरान तमाम यूरोपीय नेता भी जेलेंस्की के साथ वॉशिंगटन पहुंचे थे. पिछले दिनों रूस ने यूक्रेन के पश्चिमी इलाके में 500 से ज्यादा मिसाइलें और ड्रोन दागे थे और यह पहला मौका था जब संघर्ष के दौरान यूक्रेन के पश्चिमी छोर को निशाना बनाया था.

MP में 27% ओबीसी आरक्षण

कहा- नौकरी से कोई वंचित न रहे

CM मोहन यादव ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर पारित कराया संकल्प

राष्ट्रबाण

भोपाल. मध्यप्रदेश में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने निवास में सर्वदलीय बैठक बुलाई. इसमें तय किया गया कि किसी भी कीमत पर राज्य में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण दिया जाएगा. इस बात पर सभी दल एकमत दिखाई दिए. इस सर्वदलीय बैठक में सभी पक्ष-विपक्ष ने मिलकर संकल्प भी पारित किया. CM यादव ने बताया, बीजेपी-कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियों ने अपनी-अपनी विधानसभा में स्पष्ट किया है कि हम सभी 27 फीसदी आरक्षण देने के लिए एकमत हैं. सुप्रीम कोर्ट में 22 सितंबर से इस प्रकरण की रोज सुनवाई होगी. चूंकि, कोर्ट में अलग-अलग वकील लड़ रहे हैं, इसलिए अब जरूरत इस बात की है कि सभी वकील बैठकर इस मामले में एकमत हों और यह फैसला करें कि सभी को एक ही लाइन पर चलना है.

हर कैंडिडेट को मिले मौका

CM यादव ने कहा कि होल्ड- अनहोल्ड अभ्यर्थियों में से 14 परसेंट क्लियर हो गया था, लेकिन 13 फीसदी पेंडिंग है. सुप्रीम कोर्ट जल्द से जल्द इसका निराकरण करेगी. हम सभी चाहते हैं कि 13 फीसदी बच्चों का प्रकरण जल्द हल हो, ताकि उम्र की सीमा को लेकर जो कैंडिडेट बाहर हो रहे हों, उन्हें भी इसका लाभ मिल जाए. उनकी भी नौकरी लगे.

बैठक में कौन-कौन हुए शामिल

मुख्यमंत्री मोहन यादव की पहल पर आयोजित सर्वदलीय बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, मंत्री कृष्णा गौर, पिछड़ा वर्ग कल्याण अध्यक्ष रामकृष्ण कुसमारिया, लोकसभा सदस्य, सतना गणेश सिंह, मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधायक-नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव, बहुजन समाज पाटी प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पिप्पल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सचिव अरविंद श्रीवास्तव, प्रदेश समाजवादी पार्टी अध्यक्ष मनोज यादव, छत्तीसगढ़ विधायक-प्रदेश अध्यक्ष गोंडवाना गणतंत्र पार्टी तलेश्वर सिंह मरकाम, प्रदेश अध्यक्ष आम आदमी पार्टी-महापौर सिंगरौली रानी अग्रवाल शामिल रहे.

अब तक क्या-क्या हुआ

8 मार्च 2019 को अध्यादेश के माध्यम से "अन्य पिछड़े वर्ग 14 प्रतिशत' के स्थान पर 'अन्य पिछड़े वर्ग 27 प्रतिशत' स्थापित किया गया.

14 अगस्त 2019 को विधानसभा में अध्यादेश को अधिनियम का स्वरूप दिया गया.

24 दिसम्बर 2019 को नवीन रोस्टर जारी किया गया.

19 मार्च 2019 को सर्वप्रथम आशिता दुबे विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन केस में मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पर अध्यादेश के आधार पर 14 प्रतिशत से अधिक आरक्षण न देने के निर्देश दिए गए.

4 मई 2022 को शिवम गौतम बनाम मप्र शासन प्रकरण में हाई कोर्ट जबलपुर द्वारा उपरोक्त रोस्टर नोटिफिकेशन पर स्थगन आदेश जारी किया गया.

हिंदुत्व पॉलिटिक्स की धुरी बना 'पुनौरा धाम'!

शाह-नीतीश के बाद राहुल-तेजस्वी ने टेका माथा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बिहार का सीतामढ़ी जिला सियासी चर्चा के केंद्र में है. हिंदू मान्यता के मुताबिक, भगवान राम की पत्नी सीता का जन्म यहीं हुआ था. विधानसभा चुनाव की तपिश के बीच

सीतामढ़ी में मां जानकी की जन्मस्थली 'पुनौरा धाम' बिहार की सियासत का धुरी बन गया है, जहां हर दल के प्रमुख नेता माथा टेकने के लिए पहुंच रहे हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2 साल पहले अयोध्या की तरह 'पुनौरा धाम' को सुंदर और विकसित करने का ऐलान किया था. वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में पुनौरा धाम स्थित माता सीता के भव्य मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी है.

जंगल की आग से सुलगे वर्ल्ड वॉर-2 के छिपे बम

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. इंग्लैंड के यॉर्कशायर के जंगल में दलदली इलाके में आग लगने के बाद अचानक धमाके शुरू हो गए. इन धमाकों से जंगल में आग और तेजी से बढ़ने लगा है. ये विस्फोट सेकंड वर्ल्ड वॉर के समय दलदली इलाके में छिपे बम और टैंक के गोले में आग लगने से हो रहा है. रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी यॉर्क मूर्स के एक बड़े क्षेत्र में आग फैल गई है. इस वजह से द्वितीय विश्व युद्ध के अज्ञात बम और टैंक के गोले फट रहे हैं. विस्फोट की वजह से आसपास के लोग डरे-सहमे हैं और घर छोड़कर भागने को तैयार हैं. इधर, प्रशासन ने भी स्थानीय निवासियों को चेतावनी दी है कि वे घर से भागने के लिए तैयार रहें. आग की वजह से फट रहे सेकंड वर्ल्ड वॉर टाइम के छिपे हुए बम क्योंकि हवा में धुआं भर गया है. आपातकालीन दस्ते अन्य क्षेत्रों से भी सहायता बुला रहे हैं.

संभल में हिंदू 45% से घटकर 20% कैसे हो गए

दंगों के लिए कौन जिम्मेदार?

राष्ट्रबाण

लखनऊ. पिछले साल हुए संभल दंगे पर बनी जांच कमेटी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है. रिपोर्ट के मुताबिक संभल में हिंदू आबादी 45% से घटकर 20% पर आ गई है. आजादी के वक्त यानि 1947 में संभल में हिंदू आबादी 45 फीसदी थी लेकिन अब संभल में सिर्फ 20% हिंदू ही बचे हैं. दंगों और तुष्टिकरण ने संभल की डेमोग्राफी बदल दी है.

संभल पर बनी जांच कमेटी की रिपोर्ट में क्या-क्या?

- प्वॉइंट नंबर-1 संभल में हिंदू आबादी सिर्फ 20% बची
- प्वॉइंट नंबर-2 संभल में आजादी के बाद कुल 15 दंगे हुए
- प्वॉइंट नंबर-3 संभल कई आतंकवादी संगठनों का अड्डा बना
- प्वॉइंट नंबर-4 अमेरिका ने मौलाना सनाउल हक को आतंकवादी घोषित किया
- प्वॉइंट नंबर-5 संभल में अवैध हथियार नारकोटिक्स गैंग सक्रिय

पूर्वनियोजित थी हिंसा- रिपोर्ट

जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है कि 22 नवम्बर 2024 को सांसद जिया-उर-रहमान बर्क के विवादित भाषण ने हिंसा की नींव रखी. उन्होंने नमाजियों को संबोधित करते हुए कहा था, हम इस देश के मालिक हैं, नौकर-गुलाम नहीं.

संभल में हिंदुओं को मारे जाने का था प्लान

रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि संभल में हिंदुओं को मारे जाने का पूरा प्लान बना लिया गया था और दंगे के लिए बाहर से दंगाई बुलवाए गए थे. हिंदू मोहल्लों में पुलिस की मौजूदगी की वजह से हिंदू बच पाए थे. संभल में तुर्क पठानों ने आपसी रंजिश में एक-दूसरे को मारा था. तुर्क और कन्वर्टेड हिंदू पठानों के बीच हुई फायरिंग में 4 लोगों की हुई मौत हुई थी.

चुनाव आयोग बंगाल के अधिकारियों को धमका रहा

कोई सर्वे करने आए तो कोई जानकारी न दें', ममता बनर्जी का आरोप

राष्ट्रबाण

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता की रैली में बीजेपी, चुनाव आयोग और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा. ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है. जबकि उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीने का है. ममता ने कहा कि अगर कोई सर्वे

करने आए तो कोई जानकारी न दें. अपना आधार कार्ड तैयार रखें. बीजेपी पर लगाया गंभीर आरोप टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने मतदाताओं के नाम काटने के लिए सर्वेक्षण करने हेतु अन्य राज्यों से 500 से ज़्यादा टीमें बंगाल भेजी हैं. जब तक मैं ज़िंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी. उन्होंने दावा किया कि माकपा ने भाजपा से हाथ मिला लिया है. केरल में उसकी सरकार नेताजी को बदनाम करने की कोशिश कर रही है. ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा चाहती है कि लोग स्वतंत्रता संग्राम में बंगालियों की भूमिका को भूल जाएं.

छात्रों को स्कॉलरशिप दे रही है सरकार

बंगाल की सीएम ने कहा कि कुछ लोग मुक़दमे दायर करके दाखिले और नतीजे रोक देते हैं और फिर हमें दोषी ठहराते हैं. वे राजनीतिक अखाड़े में हमसे लड़ नहीं सकते. वे पिछले दरवाज़े से लड़कर भर्तियां रोकते हैं. बर्धमान विश्वविद्यालय के कुलपति ने शोधकर्ताओं के लिए धनराशि रोक दी है. मुझे पता चला है कि उन्हें राज्यपाल ने नियुक्त किया था. जब मुझे पता चला तो मैंने अनुदान फिर से शुरू कर दिया. ममता बनर्जी ने कहा कि 92,000 छात्रों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिले हैं. मैं मेरिट स्कॉलरशिप के लिए 17% का भुगतान करती हूं, सामान्य स्कॉलरशिप के लिए अलग से भुगतान करती हूं.

अभिषेक बनर्जी ने बीजेपी पर साधा निशाना

रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि वे (बीजेपी) कह रहे हैं कि बंगाली नाम की कोई भाषा नहीं है. क्या हमें उन्हें करारा जवाब नहीं देना चाहिए? हम एकजुट होकर लड़ेंगे. जो लोग कहते हैं कि वे ममता बनर्जी को हटा देंगे. मैं उनसे कहता हूं कि पहले हमारे युवा नेताओं और छात्रसंघ से लड़ें. वे आपको सीधे हरा देंगे.

'भाजपा दरवाजा बंद करेगी तो...'

यूपी के मंत्री संजय निषाद ने गठबंधन को लेकर दिया बड़ा बयान

राष्ट्रबाण

लखनऊ . यूपी सरकार में मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि सपा ने अपना दरवाजा बंद किया तो मैं भाजपा के साथ आ गया, अब अगर भाजपा बंद कर लेगी तो मैं देखूंगा कि आगे क्या करना है. इससे पहले निषाद

ने यूपी भाजपा को साफ-साफ शब्दों में कहा था कि अगर लगता है कि उन्हें निषाद पार्टी से फायदा नहीं है तो गठबंधन तोड़ सकते हैं. बकौल संजय निषाद- बीजेपी से समस्या नहीं है. अमित शाह हों या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, यह दोनों हमारे एजेंडे को लेकर संजीदा हैं. लेकिन बीजेपी के कुछ नेता और खासकर सपा-बसपा से बीजेपी में आए हुए जो निषाद नेता हैं, वह हमारे बारे में, निषादराज के बारे में अनर्गल बातें कर रहे हैं और इनकी वजह से नुकसान हो रहा है.

बहस कर रहा था पति

बौखलाई पत्नी ने चूल्हे से उतारी खौलती चाय और मुंह पर फेंक दी

राष्ट्रबाण

गाजियाबाद. उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के वेव सिटी थाना क्षेत्र के ओकवुड एन्कलेव सेक्टर-1 में पति-पत्नी के विवाद ने सनस-नीखेज मोड़ ले लिया. आरोप है कि पत्नी ने गुस्से में पति के चेहरे पर खौलती हुई चाय फेंक दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया. पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

बहस हुई तो उठा लाई गैस पर खौलती चाय

जानकारी के अनुसार पीड़ित सौरभ सिंह का कहना है कि 24 अगस्त की सुबह उनकी पत्नी अंकिता सिंह से कहासुनी हो गई थी. विवाद इतना बढ़ा कि पत्नी ने गैस पर रखे सस्पेन से खौलती चाय उठाकर उसके ऊपर फेंक दी. इस हमले में पीड़ित का चेहरा, सिर और बायां हाथ बुरी तरह जल गया. चेहरे पर सूजन आने के साथ ही नाक से खून निकलने की भी शिकायत रही. पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद पत्नी घर से अपना सामान समेटकर करीब 1 लाख 44 हजार रुपये नकद लेकर चली गई.

फास्ट ट्रैक

बॉयफ्रेंड ने मारा, घर पर किया कब्जा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. सिंगर और रेडियो जॉकी रह चुकीं सुचित्रा ने अपने बॉयफ्रेंड और हाई कोर्ट वकील शुनमुगराज पर घरेलू हिंसा, फाइनेंशियली तरीके से शोषण करने और अपनी संपत्ति का गैरकानूनी तौर से इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है. एक इंस्टाग्राम वीडियो शेयर कर उन्होंने अपनी आपबीती शेयर की. सिंगर ने अपने रिश्ते के बारे में डिटेल्स देते हुए कहा कि वो अब इस मामले को कानूनी तौर से आगे बढ़ाएंगी.

सुचित्रा ने लगाए मारपीट के गंभीर आरोप

सुचित्रा ने कहा कि वो कई सालों से शुनमुगराज को जानती हैं और लगभग सगाई कर चुकी थीं. उन्होंने बताया कि, "शुनमुगराज मेरी जिंदगी में उस समय आए जब मैं खुद कमजोर पलों से गुजर रही थी. वो मेरे जीवन में एक सेफ गार्ड की तरह आए. लेकिन बाद में मैंने महसूस किया कि उन्होंने मेरे मन और धन का फायदा उठाया है. मेरा सबकुछ लूट लिया." वीडियो में सुचित्रा ने दावा किया कि उनका रिश्ता हिंसक हो गया. उन्होंने कहा कि कई बार उन्हें मारा गया और शुनमुगराज ने उन्हें यूं लात मारी जैसे कोई WWE रेसलर हो.

ये मुल्क मेरी माँ है पर मैंने इससे गद्दारी की

एक Ex-मिलिटेंट की जुबानी, कश्मीर में आतंक की कहानी!

राष्ट्रबाण

श्रीनगर. सरहद पार से ट्रेनिंग करके लौटा तो कश्मीर में रॉकस्टार जैसा ट्रीटमेंट मिला. कंधे पर कारतूसों की पेटी, हाथ में रिवॉल्वर और पैरों पर रुतबा. हसरत-भरी निगाहें हर वक्त पीछा करतीं. पाकिस्तान में भी रसूख कम न था. जहां भी जाते, कश्मीरी मिलिटेंट सुनते ही महंगी से महंगी चीज बेमोल मिल जाती. वक्त

पलटा. हम आतंकवादी थे. घरबार छूटा. सालों जेल काटी. तब समझ आया कि जिस मां ने दूध पिलाया, लड़कपन में उसी को जख्मी कर दिया.

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कश्मीर में वक्त ठिठका हुआ है. तेज हवाएं देवदार और चीड़ से गुजरती तो हैं, लेकिन संभलते हुए. झेलम और रावी में बहाव है, लेकिन रवानगी नहीं. लाल चौक में खरीदार मिलेंगे, लेकिन अपनी ही परछाई से खौफजदा. लंबे वक्त बाद कश्मीर में उजाला छिटका था, पहलगाम हादसे ने उसे लील लिया.

राजनाथ ने दिया 5 साल का युद्ध का टारगेट

इसके लिए तीनों सेनाओं की तैयारी क्या होनी चाहिए

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. मध्य प्रदेश के महू में आर्मी वॉर कॉलेज में 27 अगस्त 2025 को 'रण संवाद' कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया. उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में युद्ध अप्रत्याशित और लंबे हो सकते हैं. इसलिए, सेनाओं को छोटे संघर्षों से लेकर पांच साल तक चलने वाले लंबे युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा.

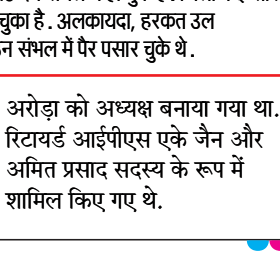

पांच-वर्षीय युद्ध लक्ष्य का मतलबः क्यों जरूरी है ऐसी तैयारी?

आज की भू-राजनीतिक स्थिति अनिश्चित है. रूस-यूक्रेन युद्ध दो साल से चल रहा है, जबकि इजरायल-हमास संघर्ष लंबा खिंच गया. चीन के साथ सीमा विवाद और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से भारत को भी लंबे संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है. राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने स्वदेशी हथियारों की ताकत दिखाई, लेकिन आत्मनिर्भरता की राह अभी लंबी है. पांच-वर्षीय युद्ध का लक्ष्य मतलब है कि सेनाओं को लंबे समय तक टिकाऊ, लचीली और तकनीकी रूप से उन्नत बनना होगा.

सिंह ने कहा कि युद्ध कितने समय तक चलेगा, यह अनुमान लगाना मुश्किल है.

रिपोर्ट CM योगी को सौंपी गई संभल हिंसा की 450 पन्नों की रिपोर्ट

हिंदुओं की घटती आबादी, दंगों की साजिशें

राष्ट्रबाण

लखनऊ . यूपी के संभल में पिछले साल हुई हिंसा के मामले में गठित कमेटी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट सौंप दी है. हिंसा के मामले में करीब 450 पन्नों की रिपोर्ट सीएम को सौंपी गई है. इस रिपोर्ट में ना सिर्फ 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा के बारे में बताया गया है, बल्कि संभल के इतिहास में कब-कब कितने दंगे हुए, उन दंगों में क्या-क्या हुआ आदि के बारे में भी विस्तार से लिखा गया है.

सूत्रों के मुताबिक, संभल की

संभल हिंसा की रिपोर्ट में क्या-क्या?

रिपोर्ट में लिखा है कि बार-बार दंगों से संभल में हिंदू आबादी कम होती गई. अब सिर्फ वहां 15 प्रतिशत हिंदू बचे हैं. जबकि, आजादी के वक्त संभल नगर पालिका में 45 प्रतिशत हिंदू थे. दंगों और तुष्टिकरण की राजनीति ने जिले की डेमोग्राफी बदल दी. आजादी के वक्त संभल नगर पालिका क्षेत्र में 55% मुस्लिम और 45% हिंदू रहते थे वर्तमान में संभल में लगभग 85% मुस्लिम और 20% हिंदू रहते हैं. यहां 1947, 1948, 1953, 1958, 1962, 1976, 1978, 1980, 1990, 1992, 1995, 2001, 2019 में दंगे हुए. आजादी के बाद से कुल 15 दंगे संभल में हो चुके हैं. जिला कई सारे आतंकवादी संगठनों का अड्डा बन चुका है. अलकायदा, हरकत उल मुजाहिद्दीन जैसे आतंकवादी संगठन संभल में पैर पसार चुके थे.

न्यायिक हिंसा की रिपोर्ट में डेमोग्राफी बदलाव का भी जिक्र किया गया है. इसमें बताया गया कि कभी 45 फीसदी यहां हिंदू थे, जो आज घटकर 15 से 20 फीसदी ही रह गए हैं. अब इस रिपोर्ट के बाद शासन के द्वारा क्या निर्णय लिया जाता है ये देखने वाली बात होगी. इस पूरे मामले में उतर प्रदेश सरकार द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई गई थी. इसमें हाईकोर्ट के पूर्व सेवानिवृत्त जज देवेंद्र अरोड़ा को अध्यक्ष बनाया गया था. रिटायर्ड आईपीएस एके जैन और अमित प्रसाद सदस्य के रूप में शामिल किए गए थे.

अगर 140 करोड़ लोगों ने मान ली PM मोदी की बात

फिर इन 30 अमेरिकी कंपनियों का भारत में क्या होगा?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर एकतरफा 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया है. भारत ने इसे अनुचित करार दिया है. अमेरिका के इस कदम का अब भारत में विरोध

हो रहा है. क्योंकि अमेरिका का सबसे बड़ा कारोबारी दुश्मन चीन है.

इस बीच अब स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों से अपील की है कि विदेशी ब्रांड के मुकाबले देसी प्रोडक्ट्स खरीदें, जिससे भारत पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनेगा. अगर देश की 140 करोड़ जनता ने चाह लिया तो कुछ भी संभव है, केवल एक आदमी के स्वदेशी अपनाने से अमेरिका जैसी ताकत को कोई असर नहीं होगा. लेकिन अगर हर किसी ने आज से अमेरिकी प्रोडक्ट्स का बहिष्कार शुरू कर दिया, तो कुछ ही दिन में डोनाल्ड ट्रंप भी रास्ते पर आ जाएंगे. क्योंकि इससे भारत में मौजूद अमेरिका कंपनियों पर आर्थिक चोट पहुंचेगी और इसका नुकसान अमेरिका को उठाना पड़ेगा. लेकिन ये सब तब संभव होगा, जब हर भारतीय स्वदेशी अपनाएगा.

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 29 अगस्त 2025

राजधानी राष्ट्रबाण

• बैरसिया • हुजूर • कोलार

एमपी ट्रैवल मार्ट से पहले कल से टूरिज्म कॉन्क्लेव

होटल, रिसॉर्ट, वेलनेस और इको-टूरिज्म सेक्टर में निवेशकों को सौंपेंगे एलओआई

भोपाल। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 11 से 13 अक्टूबर-2025 तक भोपाल में मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट का आयोजन किया जाएगा। इसके पहले कल से ग्वालियर में टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन डॉ. मोहन यादव सरकार कर रही है। इसमें होटल, रिसोर्ट, वेलनेस और ईको-टूरिज्म क्षेत्र के निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड (रुश्र) दिए जाएंगे। साथ ही पारंपरिक संगीतज्ञों, लोक कलाकारों और पर्यटक ग्रामों के कलाकारों की क्षमता निर्माण के लिए ग्वालियर की मान सिंह तोमर यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू होगा। शुक्रवार से शुरू होने वाली कॉन्क्लेव में इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और प्रचार-प्रसार के लिए याप डिजिटल, क्रायोन्स एडवरटाइजिंग, जी एंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेस लिमिटेड, कॉन्सेप्ट कम्युनिकेशंस साथ अनुबंध होंगे। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 29 एवं 30 अगस्त को ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का यह आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय संचार मंत्री और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी विशिष्ट अतिथि होंगे। इसमें प्रसिद्ध अभिनेता पीयूष मिश्रा और फैसल मलिक विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ÷टाइमलेस ग्वालियर− इकोज ऑफ कल्चर, स्पिरिट ऑफ लेगेसी÷ थीम पर केन्द्रित कॉन्क्लेव पर्यटन निवेश, सांस्कृतिक धरोहर, अनुभवात्मक पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

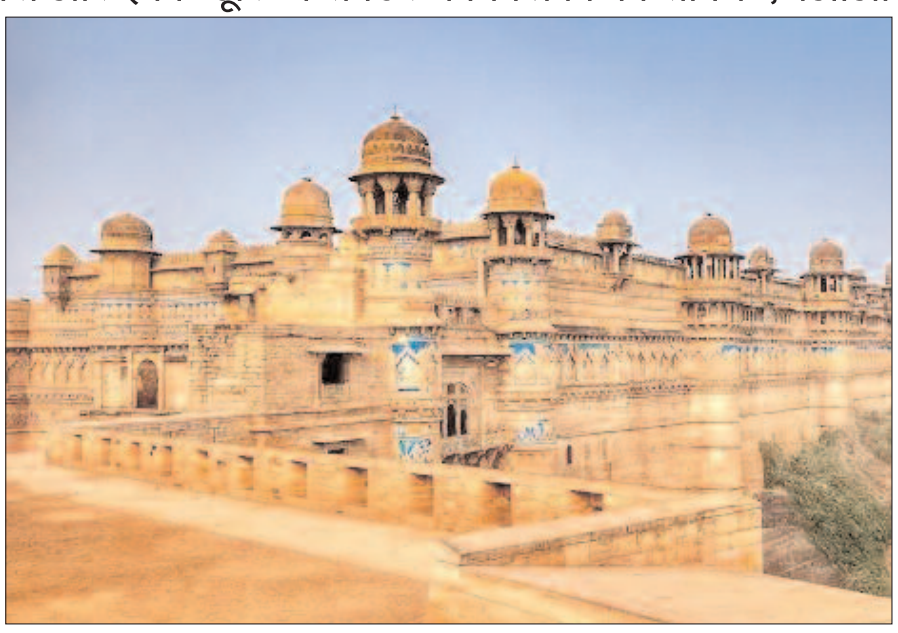

नई परियोजनाओं का होगा शुभारंभ

कॉन्क्लेव में नई परियोजनाओं की शुरुआत भी होगी। इनमें हस्तशिल्पों की मार्केटिंग में संस्था डेलबर्टो से महत्वपूर्ण साझेदारी होगी। इस साझेदारी से हस्तशिल्प प्रेमी एक विशेष ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म के जरिए सीधे हमारे कारीगरों से जुड़कर उनके द्वारा तैयार किए गए उत्कृष्ट और प्रामाणिक उत्पाद घर बैठे ही खरीद सकेंगे। इंडिगो और आगा खां फाउंडेशन के सहयोग से सीएसआर के अंतर्गत ग्वालियर किले में संरक्षण, लैंडस्केपिंग और इल्यूमिनेशन कार्यों का शिलान्यास होगा। स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत ग्वालियर के फूल बाग में अनुभवात्मक पर्यटन परियोजनाओं का शिलान्यास होगा। साथ ही मान सिंह तोमर म्यूजिक यूनिवर्सिटी में विकास कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा।

दो सत्रों में पूरी होगी कॉन्क्लेव

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में दो महत्वपूर्ण सत्र होंगे। ︎卐टूरिज़्म ऐज़ अ कल्चरल ब्रिज ङ्क ब्रांडिंग ग्वालियर एंड हार्टलैंड ऑफ़ एमपी卐 विषय पर पैनल डिस्कशन होगा। जिसमें ग्वालियर की सांस्कृतिक धरोहर, शास्त्रीय संगीत और स्थापत्य कला को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की रणनीतियों पर विचार होगा। दूसरा पैनल डिस्कशन 卐ग्वालियर एंड चंबल राइजिंग ङ्क इनबाउंड अपील थ्रू हेरिटेज, लग्जरी एंड एक्सपीरियंस卐 विषय पर केंद्रित होगा, जिसमें विरासत, लग्जरी स्टे, डेस्टिनेशन वेडिंग और अनुभवात्मक पर्यटन जैसे नए आयामों पर संवाद होगा।

सांस्कृतिक संध्या में मध्य प्रदेश गौरव की झलक

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या में मध्यप्रदेश का गौरव देखने को मिलेगा। इस दौरान कलाकारों द्वारा लोककला की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी प्रकार मैहर बैंड समा बांधेगा। इस कॉन्क्लेव में विशेष पर्यटन प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें मध्यप्रदेश के विविध पर्यटन स्थलों, पर्यटन इकाइयों, हॉस्पिटैलिटी ब्रांड्स, होम स्टे, रिसॉर्ट्स, हैंडलूम/हैंडिक्राफ्ट, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों को समर्पित स्टॉल लगाए जाएंगे। यह प्रदर्शनी निवेशकों, ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, स्थानीय उद्यमियों और आगंतुकों को एक मंच पर लाकर पर्यटन क्षेत्र में संभावनाओं को प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत करने का अवसर देगी।

ग्वालियर किले में योग सत्र भी होगा

ग्वालियर किले पर 30 एवं 31 अगस्त को सुबह 6.30 बजे से योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। चयनित अतिथियों एवं प्रतिनिधियों के लिए फैमिलियाराइज़ेशन टूर का आयोजन किया जाएगा। जिसका उद्देश्य ग्वालियर एवं आसपास के पर्यटन स्थलों की संभावनाओं से प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है। इस विशेष भ्रमण के माध्यम से प्रतिनिधियों को क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक महत्व आदि का अनुभव कराया जाएगा। जिससे वे निवेश, प्रचार-प्रसार और पर्यटन विकास की दृष्टि से गहराई से जुड़ सकें।

एमपी के पर्यटन अचीवमेंट्स

- वर्ष 2024 में अक्टूबर तक 10.70 करोड़ पर्यटक आए। यह संख्या वर्ष 2022 के 3.41 करोड़ से तीन गुना अधिक है।
- मध्यप्रदेश में देश के सबसे अधिक 785 बाघ, 11 राष्ट्रीय उद्यान, 8 टाइगर रिजर्व और 25 वन्य अभयारण्य हैं।
- प्रदेश में 14 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। ग्वालियर को सिटी ऑफ म्यूज़िक का दर्जा मिला है।
- पर्यटन नीति 2025 के तहत 214 करोड़ रुपए से अधिक निजी निवेश आकर्षित हुए और लगभग 2 लाख रोजगार सृजित हुए।
- महिला सुरक्षा के लिए 'महिला सुरक्षित पर्यटन स्थल' योजना को निर्भया फंड से समर्थन मिला है।
- 132 फिल्म परियोजनाओं की शूटिंग से मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन का केंद्र बना है।
- ग्रामीण पर्यटन के लिए 100 गांवों में 1000 से अधिक होम-स्टे विकसित किए गए हैं।
- भोपाल का मिंटो हॉल 99.4 करोड़ रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय माईस केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

भोपाल में माता ऋद्धि के साथ विराजे भगवान गणेश, शिवलिंग और मां पार्वती के साथ भी नजर आए

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल में गणेशोत्सव की धूम है। गली-मोहल्लों से लेकर चौराहों और बाजारों तक गणेश प्रतिमाएं स्थापित हो चुकी हैं। इस बार पंडालों में एक से बढ़कर एक झांकियां देखने को मिल रही हैं, कहीं भगवान गणेश माता ऋद्धि-सिद्धि के साथ विराजमान हैं, तो कहीं गजानन परिवार सहित शिवलिंग और मां पार्वती के साथ नजर आ रहे हैं। किसी पंडाल में बर्फ के पहाड़ों के बीच बप्पा की स्थापना की गई है, तो कहीं संकरी गलियों में रंग-बिरंगे पंडाल भक्तों को आकर्षित कर रहे हैं। देखिए भोपाल के पांडालों विराजित खास गणेश प्रतिमाएं...

भगवान गणेश के साथ माता ऋद्धि भी विराजमान

प्रभात पेट्रोल पंप से आगे परिहार चौराहे के पास भगवान गणेश जोड़े से बिराजे हैं। उनकी प्रतिमा के साथ माता ऋद्धि की भी स्थापना की गई है। श्री बजरंग गणेश उत्सव समिति के आयोजकों ने बताया कि भगवान गणेश की ऐसी मूर्ति स्थापित करने की पीछे कारण ये है कि रास्ते से गुजरने वाले लोगों का ध्यान आकर्षित किया जा सके। खासकर बच्चों के मन में बप्पा के दस-दिवसीय उत्सव के बारे में जानने की इच्छा हो। आयोजक दीपांशु शर्मा ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ पिछले 7 सालों से मूर्ति की स्थापना कर रहे हैं।

परिवार साथ लाए गजानन

अशोका गार्डन सेक्टर ए में गणेश जी की मूर्ति के साथ शिवलिंग और माता-पार्वती भी हैं। पंडित शिवनारायण पुरोहित ने मूर्ति का महत्व बताते हुए कहा कि भक्तों का सौभाग्य है जो भगवान गणेश अपना परिवार साथ लेकर बिराजे हैं। भक्त उनके साथ उनके माता-पिता गौरीशंकर की भी आराधना कर पाएंगे। शिव शक्ति गणेश उत्सव समिति पिछले 20 सालों से अपने क्षेत्र में गणेशोत्सव का आयोजन कर रही है।

बर्फ के पहाड़ों के बीच बप्पा की स्थापना

बप्पा का एक बड़ा ही अलौकिक पांडाल अशोका गार्डन सब्जी मंडी में भी सजा है। यहां बर्फ के पहाड़ों के बीच भगवान गणेश की स्थापना की गई है। मूर्ति को आभूषणों से सजाया गया है। नवयुवक फुटकर विक्रेता गणेश उत्सव समिति के रामनाथ चौहान ने बताया कि क्षेत्र की सबसे बड़ी मूर्ति हमारे ही पांडाल में रखती है। हम पिछले 12 साल से यह पर्व धूमधाम से मना रहे हैं। अनंत चतुर्दशी पर यहां विशाल भंडारा भी होगा, जिसमें लगभग 5 हजार भक्त शामिल होंगे।

संकरी गलियों मे भी सजे पांडाल

चौराहे और बड़े पांडाल तो ठीक हैं, भक्तों ने गली-मोहल्लों में भी गणेश जी की मूर्ति स्थापित की है। सरस्वती स्कूल, परिहार चौराहे के पास ऐसा ही एक छोटा सा पांडाल सजा है, जहां गजानंद की सुंदर मूर्ति रखी गई है। गली संकरी होने के बाद भी भक्तों ने इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि 10 दिनों तक लोगों को आवाजाही में कोई कठिनाई न हो। स्थानीय लोग पिछले 3 साल से इसी स्थान पर मूर्ति रख रहे हैं।

पिछले 50 सालों से कर रहे बप्पा की स्थापना

बाबा चौराहा, अशोका गार्डन पर पिछले 50 सालों से गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। इस बार यहां गणेश जी के साथ भगवान शिव भी नजर आ रहे हैं। भगवान गणेश एकदंत रूप में सिंहासन पर बैठे हैं और उनके पीछे भोलेनाथ की मूर्ति दिखाई दे रही है। समिति अध्यक्ष आकाश सोनी ने बताया कि हम हर साल झांकी की साज-सज्जा पर विशेष ध्यान देते हैं। गणेशोत्सव के साथ-साथ नवरात्रि पर्व भी यहां धूम-धाम ने मनाया जाता है।

अनोखी गणेश प्रतिमा, मूषक कर रहे पहरेदारी

सेक्टर-ए की गलियों में एक और पांडाल है, जहां भगवान की मूर्ति के आगे दो पहरेदार भी खड़े दिख रहे हैं। ये पहरेदार और कोई नहीं। बल्कि भगवान गणेश की सवारी कहे जाने वाले मूषक ही हैं। आयोजकों का कहना है कि हमारी गली में भले ही जगह की थोड़ी कमी है। लेकिन, हम बप्पा की सेवा और उनकी भक्ति में कोई कमी नहीं होने देंगे।

भोपाल में गरज-चमक के साथ भारी बारिश

उज्जैन में क्षिप्रा किनारे मंदिर डूबे; रायसेन में सड़कों पर 2 फीट पानी

भोपाल। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश में गुरुवार से फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। भोपाल में दोपहर 12 बजे के बाद मौसम बदला और अंधेरा छा गया। यहां गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। पीएचक्यू के पीछे वाली सड़क पर करीब 200 मीटर के हिस्से में पानी भर गया, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। उज्जैन में क्षिप्रा नदी उफान पर है। घाटों पर बने मंदिर पानी में डूब गए हैं। रायसेन में भारी बारिश से सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। धार के मनावर में सुबह तेज पानी गिरा। स्कूल, कॉलेज और दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जिले के मनावर में मान डैम के गेट खोल दिए गए हैं। मानसून ट्रफ की एक्टिविटी होने से खरगोन, खंडवा समेत 10 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में अगले 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं, भोपाल-इंदौर में रिमझिम बारिश हो सकती है।

सिवनी में 24 घंटे में 3 इंच पानी गिरा

मध्यप्रदेश के 11 जिलों में पिछले 24 घंटे में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का दौर रहा। सबसे ज्यादा 3 इंच पानी सिवनी में गिर गया। रतलाम में 2.2 इंच, छिंदवाड़ा में 1.1 इंच और शिवपुरी में 1 इंच बारिश हुई। भोपाल में हल्की बूंदाबांदी हुई तो उज्जैन, श्योपुर, खंडवा, इंदौर, सागर और धार में भी हल्की बारिश का दौर बना रहा।

प्रदेश के बीचोंबीच से गुजर रही मानसून ट्रफ

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- बुधवार को एक मानसून ट्रफ प्रदेश के बीचोंबीच से गुजरी। एक अन्य ट्रफ की सक्रियता भी देखने को मिली। वहीं, बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया एक्टिव हो रहा है। इसका अगले कुछ दिन में असर देखने को मिलेगा। ऐसे में प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का दौर बना रहेगा।

कटरा-जम्मू से भोपाल लौटने वालों को परेशानी

भोपाल। जम्मू मंडल के कठुआ-माधोपुर पंजाब खंड में डाउन लाइन पर यातायात बाधित होने से भोपाल और मध्यप्रदेश के यात्रियों की यात्रा प्रभावित हुई है। खासकर वे यात्री जो जम्मू, कटरा और आसपास के इलाकों से भोपाल लौटने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अब सीधे मुख्य स्टेशनों से ट्रेन नहीं मिलेगी। रेलवे ने तीन प्रमुख गाड़ियों को उनके मूल प्रारंभिक स्टेशन से न चलाकर बीच के स्टेशनों से शॉर्ट ओरिजिनेट करने का निर्णय लिया है। इसका मतलब है कि अब यात्रियों को पहले सड़क मार्ग से उन स्टेशनों तक जाना होगा, जहां से ट्रेन का संचालन शुरू होगा, उसके बाद ही वे संबंधित ट्रेन में सफर कर सकेंगे।

सोशल मीडिया फ्रेंड ने अविवाहित बताकर युवती से रेप किया

नरसिंहपुर का रहने वाला है आरोपी, भोपाल आकर की थी ज्यादती

भोपाल। राष्ट्र बाण

भोपाल के मिसरोद इलाके में रहने वाली युवती सोशल मीडिया के जरिए एक युवक के संपर्क में आई। शादी का झांसा देते हुए युवक ने युवती से रेप किया। पिछले दिनों युवती को पता चला कि युवक पहले से ही शादीशुदा है तो उसने मामले की शिकायत थाने में कर दी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है। पुलिस की एक टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए नरसिंहगढ़ रवाना होने की तैयारी में है। आरोपी वहीं का रहने वाला है और युवती से मुलाकात करने भोपाल आता रहता था।

एक साल पहले हुई थी दोनों की दोस्ती

पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय युवती मिसरोद इलाके की एक कॉलोनी में रहती है। पिछले साल सोशल मीडिया के जरिए उसकी दोस्ती विवेक जलवंशी नाम के युवक से हुई। वह मूलत: नरसिंहपुर का रहने वाला है। दोनों के बीच जब नजदीकियां बढ़ीं तो युवक भोपाल आकर युवती से मिला।

जल्द शादी करने का भरोसा दिलाया था

इस दौरान उसने शादी करने का झांसा देते हुए उसके साथ रेप किया। बाद में कई बार उसने युवती से शारीरिक संबंध बनाए। पिछले दिनों युवती को पता चला कि विवेक पहले से ही शादीशुदा है। इसके बाद युवती ने थाने में शिकायत कर दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक माह पहले मिले 3.5 करोड़ रुपए; जूडा बोले- 50 साल पुराने भवन अब रहने लायक नहीं

चीफ इंजीनियर रिटायर होने से अटका जीएमसी हॉस्टल का रेनोवेशन

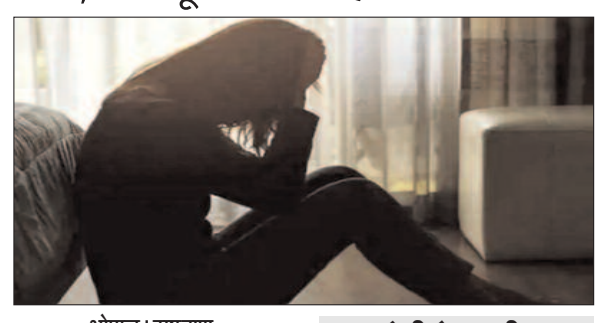

भोपाल। राष्ट्रबाण

गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के छह बॉयज हॉस्टल 50 साल से भी ज्यादा पुराने हो चुके हैं। यहां रहने वाले छात्रों को सीलन, गिरते प्लास्टर और जर्जर ढांचे से लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। बीते दो साल से छात्र इन समस्याओं को उठा रहे हैं। स्थिति को देखते हुए जीएमसी प्रबंधन ने चिकित्सा शिक्षा विभाग से बजट की मांग की थी। विभाग ने हॉस्टल रेनोवेशन के लिए 3.5 करोड़ रुपए स्वीकृत भी किए और इंजीनियरों की टीम ने निरीक्षण कर काम शुरू करने की तैयारी कर ली थी। लेकिन, इसी बीच चीफ इंजीनियर रिटायर हो गए और प्रोजेक्ट ठप पड़ गया।

अब बारिश के बाद होगा काम

जीएमसी की डीन डॉ. कविता एन. सिंह ने बताया कि संस्थान की ओर से कोई देरी नहीं हुई है। जैसे ही चीफ इंजीनियर की नियुक्ति होगी, रेनोवेशन प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। हालांकि बरसात को देखते हुए अब काम बारिश के बाद ही शुरू करने की योजना है, ताकि काम के बीच कोई व्यवधान न आए।

1500 से ज्यादा छात्रों पर असर

जीएमसी में एमबीबीएस के चार बैचों में करीब 1000 और पीजी के तीन बैचों में लगभग 500 विद्यार्थी पढ़ते हैं। कुल मिलाकर डेढ़ हजार छात्र कॉलेज से जुड़े हैं, लेकिन हॉस्टल की संख्या कम होने के कारण सभी को सुविधा नहीं मिल पाती। मजबूरी में कई विद्यार्थियों को बाहर किराए पर रहना पड़ता है।

जूडा- 50 साल पुराने भवन अब रहने लायक नहीं

जुडा अध्यक्ष डॉ. कुलदीप गुप्ता ने कहा कि हॉस्टल 50 साल पुराने और बेहद जर्जर हो चुके हैं। यहां रहना मुश्किल है, लेकिन विकल्प न होने से छात्र मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। पीजी सीटें बढ़ने के बाद नए हॉस्टल की भी सख्त जरूरत है। 卐गांधी मेडिकल कॉलेज का छात्रावास अब रहने लायक नहीं बचा है।

मोहल्ले में रहने वाले युवक ने युवती से रेप किया

भोपाल में शादी का वादा कर संबंध बनाए थे, वादा पूरा करने कहा तो भाग गया

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में रहने वाली युवती की दोस्ती मोहल्ले में रहने वाले युवक से हो गई। कुछ समय बाद दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हुआ। आरोपी ने जल्द शादी का झांसा देकर कई बार पीड़िता के साथ रेप किया। जब लड़की ने शादी करने के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने उससे हर तरह का संपर्क खत्म कर दिया। गुपचुप तरीके से पीड़िता के मोहल्ले से मकान भी खाली कर चला गया। बुधवार की रात को थाने पहुंची पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने शिकायत दर्ज की। आरोपी की अभी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। पुलिस ने बताया कि 21 वर्षीय पीड़िता गोविंदपुरा इलाके की एक बस्ती में रहती है। उसके मोहल्ले में ही रोहित दांगी नाम का युवक किराए के मकान में रहता था। एक ही इलाके में रहने के कारण पहले तो दोनों के बीच दोस्ती हुई बाद में प्रेम-प्रसंग हो गया। जनवरी 2025 में एक दिन रोहित ने युवती को अपने किराए के कमरे पर बुलाया। यहां पर उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया। बाद में उसने युवती को शादी करने का झांसा दिया और शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया।

आरोपी ने युवती का गर्भपात भी कराया

युवती गर्भवती हो गई तो रोहित ने गोली खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया। युवती जब भी शादी की बात करती तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर बात को टाल देता था। पिछले दिनों युवती ने जब शादी करने का दबाव डाला तो उसने शादी करने से मना कर दिया और किराए का मकान खाली कर भाग निकला।

भोपाल में प्राइवेट नौकरी करता था आरोपी

युवती ने बुधवार को मामले की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने रोहित के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। शुरूआती तौर पर पता चला है कि रोहित रायसेन जिले का रहने वाला है। वह यहां पर प्राइवेट नौकरी करता था।

संपादकीय

हंगामे की भेंट चढ़ गया मानसून सत्र

राज कुमार सिंह. विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद ने एक बार फिर देश को निराश किया. 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चले संसद के मानसून सत्र में भी काम कम, हंगामा ज्यादा हुआ. लोकसभा में मात्र 37 घंटे कामकाज हो पाया तो राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट. करदाताओं की मेहनत की कमाई से चलने वाली संसद में हंगामा कभी भी सुखद नहीं कहा जा सकता. मानसून सत्र कठिन चुनौतियों के साये में हुआ था, फिर भी संसद में ऐसा कुछ नहीं दिखा कि सांसदों को देश की चुनौतियों का भान है. हमेशा की तरह शोर-शराबे के बीच ही सरकार अपना विधायी कामकाज निपटाने में सफल हो गई, लेकिन संसदीय कार्यवाही की दृष्टि से लोकसभा में 83 घंटे और राज्यसभा में 73 घंटे हंगामे की भेंट चढ़ गये. संसद की कार्यवाही पर आने वाले खर्च की नजर से देखें तो 204 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हंगामे के चलते बर्बाद हो गए. यह तय है कि हमारे सांसद कभी 'काम नहीं, तो वेतन नहीं' की नैतिकता नहीं दिखायेंगे.

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस एक दशक बाद भी स्वीकार करती नहीं दिख रही कि अब भाजपा सत्ता में है और वह विपक्ष में. दूसरी ओर तमाम तरह के दागी और बागी कांग्रेसियों को गले लगाने के बावजूद भाजपा कांग्रेसमुक्त भारत के सपने में ही जी रही है, जबकि लोकसभा में 99 सांसदों के अलावा कांग्रेस की तीन राज्यों में सरकार भी है. इस वास्तविकता के साथ ही देशहित और जनहित से मुंह मोड़ने का भी परिणाम है कि आपरेशन सिंदूर और संघर्ष विराम सरीखे संवेद-नशील मामलों में भी सत्तापक्ष और विपक्ष अपने-अपने राजनीतिक मुद्दों को ही धार देते नजर आए.

पहलगाम पर आतंकी हमला, उसके जवाब में आपरेशन सिंदूर, ट्रंप का संघर्ष विराम का श्रेय लेने का अंतहीन राग तथा उनकी ही ओर से छेड़े गये टैरिफ युद्ध जैसी जटिल चुनौतियों के साये में हुए मानसून सत्र में संसद का देश हित से विमुख हो कर दलगत राजनीति का बंधक बन जाना देश के प्रति एक प्रकार का अपराध ही है. संसद से अपेक्षा थी कि अपनी संवैधानिक भूमिका का निर्वाह करते हुए इन तमाम मुद्दों पर गंभीर चर्चा से देश का मार्गदर्शन करेगी, लेकिन पूरा सत्र ही दलगत राजनीति से प्रेरित आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे की भेंट चढ़ गया. हंगामा अक्सर विपक्ष ही करता है, लेकिन काम से ज्यादा हंगामे की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए किसी एक पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता. अगर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आतंकवाद और आपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर भी हमारी संसदीय चर्चा की दिशा दलगत राजनीति तय करेगी तो फिर वर्तमान राजनीति की दशा-दिशा के बारे में कहने को ज्यादा कुछ नहीं रह जाता. हमने बहुदलीय लोकतंत्र चुना है. इसलिए दलगत विभाजन और नीतिगत मतभिन्नता स्वाभाविक है. उसका सम्मान भी किया जाना चाहिए. सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की अपनी-अपनी भूमिकाएं हैं, पर जरूरी नहीं कि वे हमेशा परस्पर विरोध की ही रहें.

जान से मार देने की घटनाएं कब रुकेंगी ?

डॉ. अमिता. ग्रेटर नोएडा के निकिता भाटी हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. बर्बरता का जो वीडियो समाचार चैनलों के माध्यम से प्रसारित किया गया, वह किसी को भी सदियों से चले आ रहे पितृसत्तात्मक सोच से रूबरू कराने के लिए काफी है, जहां बल प्रयोग ही मर्दानगी को जताने का उत्तम तरीका माना जाता रहा है. यह मर्दानगी का भ्रम ही है, जो दुष्कर्म, हत्या, हिंसा के रूप में सामने आता रहता है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि इस घटना में सिर्फ एक नहीं, बल्कि दो-दो महिलाएं पुरुषवादी सोच का शिकार हुई हैं.

एक निकिता और दूसरी उसकी सास, जो अपने बेटे का साथ देकर एक महिला होकर भी महिला पर हो रही हिंसा में सहयोगी बनी. यह कोई पहली घटना नहीं है, जब किसी महिला को जलाया या मारा गया हो. कभी परंपरा, कभी दहेज, कभी चरित्र तो कभी डायन करार देकर स्त्रियों को जलाए जाने की घटनाओं का सिलसिला न जाने कब से कायम है.

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की मंशा को आत्मसात करने की बात तो की जाती है, लेकिन बेटियों को व्यवस्था की भेंट चढ़ने से हम रोक नहीं पा रहे हैं. यहां सिमोन दी बोउवा का एक कथन याद आता है कि लड़की पैदा नहीं होती, बल्कि बनाई जाती है. एक बेटी के जन्म के बाद से जिस तरीके से लड़की होने की दुहाई देकर उसकी परवरिश की जाती है, धीरे-धीरे उसमें विरोध की क्षमता ही खत्म हो जाती है और वह शोषण सहना ही अपनी नियति समझ लेती है.

आज भी आम तौर पर बेटी को मायके से यह कहकर विदा किया जाता है कि मायके से डोली उठती है और ससुराल से अर्थी. और डोली उठते ही एक लड़की का या तो मायका होता है या फिर ससुराल, उसका खुद का घर कहां खो जाता है, वह पता ही नहीं चलता, जहां वह हक से और अपने हिसाब से अधिकारपूर्वक रह सके. ऐसी स्थिति में यदि कोई महिला आत्मनिर्भर नहीं है तो वह चाहकर भी विरोध नहीं कर पाती है. दूसरा लोक-लाज के लिहाज के बोझ तले महिलाएं आज भी दबी हुई हैं. उनका दबा होना महिला सशक्तीकरण की बातों को खोखली साबित करता दिखता है. इस परिस्थिति में यदि कोई महिला विरोध करने की हिम्मत जुटा भी लेती है तो व्यवस्था का शिकार हो जाती है. अपने देश में पीड़ित न्याय के लिए आज भी थानों और अदालतों में ठोकर खाते हैं. महिलाओं को न्याय देने के लिए वन स्टाप सेंटर बनाए गए, महिला आयोग का गठन किया गया, लेकिन वे प्रभावी नहीं सिद्ध हो रहे हैं. कई बार अपराधी बेखौफ हो दिखते हैं और व्यवस्था धवस्त.

ग्रेटर नोएडा की घटना में अत्याचार की एक और कड़ी है, जिसमें भारी-भरकम दिखावे वाली शादियों और दहेज के नाम पर लड़की वालों से धन वसूली की प्रथा ने बेटी का बाप होना अभिशापित बना दिया है. दहेज लेना और देना, दोनों ही कानूनन अपराध हैं, लेकिन यह जुल्म सदियों से किसी-न-किसी रूप में आज भी समाज में व्याप्त है. आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? आम तौर पर हर माता-पिता चुपचाप बेटी के ससुराल वालों की मनचाही इच्छाओं को पूरा करते रहते हैं और एक तरह से खुद भी अपराधी बन जाते हैं.

लाचार और मजबूर माता-पिता को यह अहसास ही नहीं होता कि देहज प्रथा की आड़ में वे कई अपराधों की नींव रख रहे हैं. अनजाने में वे अनचाही मांगों को पूरा करते रहते हैं और बेटी के घर को बचाने की कोशिश करते हैं. वे न तो इसकी शिकायत करते हैं और न ही बेटी पर हो रहे अत्याचार को तब तक रोकने की पहल करते हैं, जब तक कि आग की लपटें उनके घर तक न पहुंच जाएं. निकिता के पिता ने भारी भरकम दहेज दिया था.

क्या ट्रंप की सख्ती उलटी पड़ेगी?

रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका ने भारत पर पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क लागू कर दिया है. इसी के साथ उसकी ओर से भारत पर लगाया गया कुल शुल्क अब पचास फीसद हो गया है. निस्संदेह यह भारत पर दबाव बढ़ाने की रणनीति है. इससे भारतीय निर्यातकों का चिंतित होना स्वाभाविक है. माना जा रहा है कि इससे भारत का निर्यात कारोबार प्रभावित हो सकता है, लेकिन इसकी सीमा क्या होगी, इसका आकलन करना अभी मुश्किल है. भारत की ओर से पहले ही यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा. जाहिर है, भारत के इस रुख का आधार भी संभावित चुनौतियों से निपटने की रणनीतिक सोच पर आधारित होगा. मगर, इस सब के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड को भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि इसका असर उनके देश में भी होगा और यह सच्चाई वहां की जनता से ज्यादा दिन तक छिपाई नहीं जा सकती है.

अमेरिका ने पहले यह कह कर भारत पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाया था कि उसके उत्पादों पर भी यहां अधिक शुल्क वसूला जाता है. इसके बाद अमेरिका की ओर से पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क का एलान कर दिया गया, जो बुधवार से प्रभावी हो गया. व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि कुल पचास फीसद शुल्क से कपड़ा, चमड़ा, झींगा और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों में निर्यात पर असर पड़ सकता है. यहां इस बात पर गौर करना जरूरी है कि बीते वित्त वर्ष में भारत के 437.42 अरब डालर मूल्य के वस्तु निर्यात में अमेरिका का लगभग बीस फीसद हिस्सा था. तब दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब डालर रहा था, जिसमें 86.5 अरब डालर निर्यात और 45.3 अरब डालर आयात था. इन सब चिंताओं के बीच रेटिंग एजंसी क्रिसिल ने अपनी ताजा रपट में कहा है कि सरकार भले ही निवेश को बढ़ावा दे रही है, लेकिन निजी निगमित पूंजीगत व्यय धीमा बना हुआ है. ऐसे में पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क की वजह से निवेशकों की धारणा और ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है. हालांकि, मुक्त व्यापार समझौतों की शुल्क बाधाओं को कम कर और पूर्वानुमानित व्यापार नीतियों को स्थापित करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाया जा सकता है.ऐसे में साफ है कि सरकार को शुल्क की चुनौती से निपटने के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाने होंगे.

पहले से हो पूरी तैयारी

हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है. उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं. ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है. जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 32 तक जा पहुंची है. यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है. जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली. राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं. मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने X पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है. इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है. इसी महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया. फिर चमोली के थराली में आफत बरसी. जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी. मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी. इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही. धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है. इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है. ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके.प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है. इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है. बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है. मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है.मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट दिया है.

राशिफल

■ **मेष**: आज का दिन रिश्तों, करियर में उन्नति और वित्तीय योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनर्जी प्रदान करता है. फ्यूचर के लक्ष्यों की स्ट्रैटजी बनाने के लिए अच्छा समय है. आज धन का मामला स्मार्ट तरीके से मैनेज करें. फिटनेस पर फोकस करें.

■ **वृषभ**: आज सेहत का ध्यान रखें. आपको अपने विचारों को अपनाने और इसे जीवन के सभी पहलुओं पर लागू करने के लिए मोटिवेट किया जाता है. रिश्ते डीप कनेक्शन की ओर मुड़ते हैं, जबकि करियर के अवसर चुनौती के वादे के साथ आते हैं.

■ **मिथुन**: आज के दिन अपनी पर्सनल लाइफ में आप अपने पार्टनर के साथ अधिक पर्सनल कनेक्शन विकसित कर सकते हैं. वित्तीय सुरक्षा आपको इंकम के अन्य सोर्स आजमाने या अधिक इन्वेस्टमेंट करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यह पर्सनल जरूरतों पर फोकस करने का समय है.

■ **कर्क**: आज आपके करियर की गति धीमी नहीं होनी चाहिए. इन्स्पेक्ट करें कि क्या आपका वर्तमान काम आपके लॉग टर्म लक्ष्यों को पूरा करता है. अपने काम और पर्सनल जीवन के बीच अधिक शांति लाने के लिए योजना बनाएं और जरूरी बदलाव भी करें.

■ **सिंह**: आज का दिन अपने जरूरी प्लांस बनाने के लिए शुभ है. अपने बॉस के सामने अपनी कमिटमेंट, काम का तरीका और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को दिखाने का इससे बेहतर समय क्या हो सकता है? आपका ध्यान घरेलू चुनौतियों पर रहेगा.

■ **कन्या**: आज का दिन आपके सामाजिक जीवन में नई रुचि लाएगा. आपकी विभिन्न संस्कृति के लोगों से जुड़ने की क्षमता नए अवसर या पार्टनरशिप के लिए एक खुला द्वार है. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए जिम ज्वाइन करें.

■ **तुला**: आज हो सकता है कि आप अचानक खुद को उत्सुकता के साथ असाइनमेंट पर काम करते हुए पाएं. आर्थिक लाभ के अवसर भी मिलेंगे. इसके अलावा देखभाल, डाइट में सुधार या यहां तक कि नई एक्सरसाइज शुरू करने पर भी फोकस करें.

■ **वृश्चिक**: आज नेटवर्क बनाएं, अपनी स्किल्स का उदाहरण दें और प्रोजेक्ट्स पर पहल करने से न डरें. आप आय के नए स्रोत ढूंढने की कोशिश कर सकते हैं और वेतन वृद्धि के लिए अभियान शुरू कर सकते हैं. अपने पार्टनर के साथ सम्मान और संयम से व्यवहार करें.

■ **धनु**: आज के दिन डिटेल्स पर काम करने और चीजों को मैनेज करने में बिजी रहेंगे. किसी सम्मेलन, वेबिनार या यहां तक कि व्यावसायिक यात्रा के लिए प्रयास करें. बहुत ज्यादा तनाव लेने से बचें. खर्चों पर ध्यान दें.

■ **मकर**: आज आप स्किल्स को बढ़ाने या नए मार्केट के बारे में अधिक जानने पर विचार करने के लिए उत्सुक हो सकते हैं. आज का मुख्य जोर आपके पर्सनल फाइनेंस के बढ़ते पक्ष पर है, लेकिन इस बात से सावधान रहें कि आप अपना पैसा कैसे खर्च करते हैं.

■ **कुंभ**: आज का दिन पर्सनल ग्रोथ और विस्तार की संभावनाओं से भरा है. विचारों को विकसित करने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ बात करने और काम करने की अपनी क्षमता दिखाने का यह सही अवसर है.गलतफहमी के चलते अन-बन हो सकती है. अपने विचारों और इरादों को क्लियर करें. आपके लिए सेल्फ-लव पर फोकस करने वाला दिन है. काम का बहुत ज्यादा प्रेशर न लें.

■ **मीन**: आज के दिन फ्रेश एनर्जी के साथ अपने करियर की ओर बढ़ें. आपकी बिजनेस शुरू करने की भावना काफी बढ़ जाएगी. सिंगल लोगों का रुझान ऐसे पार्टनर्स की तलाश में हो सकता है, जो काफी दृढ़ और कॉन्फिडेंट हों. मजबूत पेशेवर मोर्चे वाले कुंभ राशि के जातक अच्छे परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 433

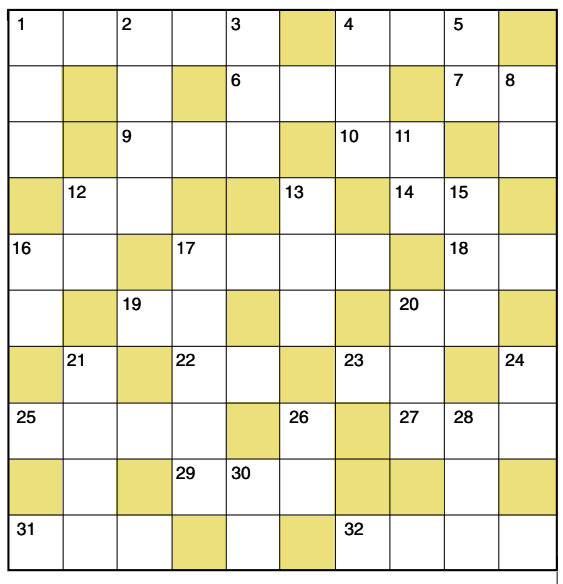

ऊपर से नीचे:-

1. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-3
2. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-4
3. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-3
4. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-3
5. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-2
8. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका ?-2
11. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है ?-2
12. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-2
13. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-3
15. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-3
16. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी ?-2
17. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-5
20 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-3
21. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-2
26. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-2
28. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-3
30. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-2,3
4. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-3
6. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-3
7. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-2
9. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-3
10. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-2
12. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-2
14. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-2
16. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2
17. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-2,2
18. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-2
19. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-2
20. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था ?-2
22. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-2
23. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-2
25. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-4
27. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-3
29. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-3
31. संजीव, राखी की एक फिल्म-3
32. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-4

फिल्म वर्ग पहेली- 432 का हल

बा	ग	बा	न		त्रि		धू	म
रु		द		स्व	दे	श		र्या
द	ला	ल			व		दा	दा
	इ		प्या	सा		सी	मा	
दु	ला	रा		ज	ख्मी		द	म
श्म		ज	मी	न		ने		म
नी	तू		ना		म	हा	न	ता
		आ		दो	स्त		गी	
दि	ल	ज	ले			बे	ना	म

■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

अंकजाल - 433

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	22	19	22		23	22	17	16	
14		2				8		2	26
16	3		5		6		3		22
18		4				7		8	22
25	7		3		2				
				2		7		3	27
18	7		5				2		12
20		3		7		8		5	21
24	8		4				7		18
	21	11	13	27		28	26	16	

अंकजाल 432 का हल

	14	21	21		32	21	12	19	
12	2	7	3		4	5	4	9	22
14	2	7	5		8	7	5	3	23
16	8	2	6		7	9	3	7	26
21	2	5	7	2	5				
				7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7		3	6	4	13
18	5	2	5	6		3	4	7	14
29	8	8	5	8		4	6	8	18
	21	15	16	30		19	18	22	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 433

शब्दजाल में 'आमिर खान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

लव लव लव,लगान,राख,दिल, जवानी जिंदाबाद, रंग दे बसंती, मंगल पांडे, रंगीला, बाजी, इश्क

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क
दि	म	ल	रु	व	ग	गी	र	इ	ट	ली
ल	स	मं	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त
क	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तू	ग	झ	वा
जी	क	पां	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र

शब्दजाल - 432 का हल

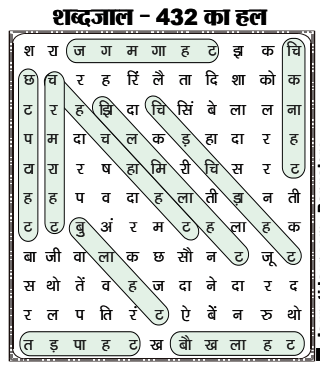

Jagrutidaur.com, Bangalore

हे विघ्नहर्ता गणेश, लोकतंत्र के विघ्न दूर करो!

विघ्नहर्ता के रूप में पूजनीय गणराया श्री गणेश आज महाराष्ट्र के घर-घर में धूमधाम से पधारेंगे.महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के गणेश भक्तों के हर घर में इस मोहक और लाडले देवता की पारंपरिक तरीके से प्राण-प्रतिष्ठा और पूजा-अर्चना की जाएगी.घरों की तरह ही, राज्य के हर शहर और गांव में सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के मंडपों में भी गणेश मंडल के कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के साथ गणेश जी को विराजमान करेंगे.गणेशोत्सव और भक्तों का अटूट रिश्ता है और विशेषकर मराठी परिवार गणेशोत्सव को लेकर किसी भी अन्य त्योहार से ज्यादा उत्साहित रहते हैं.आमतौर पर १० दिनों तक चलनेवाला गणेशोत्सव इस साल आज, २७ अगस्त से ६ सितंबर तक ११ दिनों तक चलेगा.चैतन्य व मांगल्य का पर्व गणेशोत्सव महाराष्ट्र के कोने-कोने में अभूतपूर्व उत्साह का संचार करता है.इस दौरान, महाराष्ट्र के सभी लोग गणेश भक्ति में लीन और तल्लीन रहते हैं.भक्तों की भक्ति, आस्था, पूजा, आरती और प्रसाद के समस्त वैभव को गणपति बाप्पा हमेशा की तरह को स्वीकार करेंगे.गणेश जी ने हमें अपना आशीर्वाद दिया है.श्री गणेश से अपने ऊपर आए संकटों का निवारण करने, पारिवारिक सफलता और प्रगति के मार्ग में बाधा बन रहे विघ्नेंको दूर करने की मन ही मन में प्रार्थना की जाएगी.लेकिन उससे भी आगे बढ़कर प्रार्थना है कि गणेशजी आज महाराष्ट्र और देश में हो रहे विघ्नेंके अटूट सिलसिले को हमेशा के लिए तोड़ दें.यह विघ्न छोटे-मोटे नहीं हैं.देश के संविधान पर चारों ओर से हमला हो रहा है.मुट्ठीभर लोग सत्ता के बल पर देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं पर हुकूमत कर रहे हैं.हमारा देश, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव प्राप्त है, चुपचाप लोकतंत्र को अपनी अंतिम सांसें गिनते देख रहा है.दो लोगों की सरकार किसी की भी बात मानने व सुनने को तैयार नहीं है और भारत जैसे महाद्वीपीय व प्राचीन देश को तानाशाही की ओर ले जा रही है.

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 29 अगस्त 2025

जबलपुर राष्ट्रबाण

• सोहगपुर • ब्योहारी • जयसिंहपुर • जैतपुर

जबलपुर में सड़क हादसे में प्रधान आरक्षक की मौत, टक्कर मारकर भागा बोलेरो वाहन चालक

अपराधी को पकड़ने गई थी पुलिस टीम

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलुपर के संजीवनी नगर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक अभिषेक शिंडे की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना के वक्त वे अपराधी की तालाश में अंधमूक बाइपास के पास घूम रहे थे। तभी अचानक ही तेज रफ्तार एक बोलेरो जीप ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वे सड़क पर दूर जा गिरे। घटना के बाद वाहन चालक गाड़ी के साथ फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत ही भेड़ाघाट थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद संजीवनी नगर थाना पुलिस सहित भेड़ाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और इलाज के लिए अभिषेक को मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां डाक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एसपी के साथ मेडिकल पहुंचे पुलिस अधिकारी

ड्यूटी के दौरान प्रधान आरक्षक अभिषेक शिंडे गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय को लगी तो वे उन्हें देखने के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचे। इस दौरान उनके साथ एएसपी क्राइम जितेंद्र सिंह, सीएसपी रितेश शिव के साथ भेड़ाघाट और संजीवनी नगर थाना प्रभारी भी थे। डाक्टरों की टीम ने गंभीर रूप से घायल प्रधान आरक्षक की जान बचाने का प्रयास किया पर वह सफल नहीं हो सके। बुधवार रात को उन्होंने दम तोड़ दिया।

एएसआई और आरक्षक भी हुए हैं घायल

जानकारी के मुताबिक अपहरण का एक आरोपी जबलपुर आ रहा था। सूचना मुखबिर से मिली थी। जिसके बाद एसपी के निर्देश पर एक टीम गठित की गई। टीआई ने एएसआई दानी सिंह, प्रधान आरक्षक अभिषेक शिंदे और आरक्षक आशुतोष भारती को अपराधी को पकड़ने के लिए बायपास पर तैनात किया। पुलिस टीम जब हाईवे के किनारे खड़ी थी, उसी दौरान तेज रफ्तार एक जीप ने टक्कर मार दी, जिसमें एएसआई और एक आरक्षक घायल हो गया, जबकि प्रधान आरक्षक की मौत हो गई। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

गुरुवार को हुआ अंतिम संस्कार

संजीवनी नगर थाने में पदस्थ घायल पुलिसकर्मियों को इलाज मेडिकल कॉलेज में जारी है। वहीं, प्रधान आरक्षक के परिवार वालों को पुलिस ने सूचना दे दी है। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद अभिषेक का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टक्कर मारने वाली गाड़ी की तालाश में जुट गई है। बोलेरो जबलपुर के हाथीताल में रहने वाले व्यक्ति की बताई जा रही है, जिसकी तलाश की जा रही है।

हादसा या हत्या-पुलिस जांच में जुटी

प्रधान आरक्षक संजीवनी नगर थाने से पहले शहर के कई थानों मे पदस्थ रह चुके हैं। अभिषेक कई बार अपराधियों से अकेले भी भिड़ चुके हैं। टीआई ने टास्क दिया था कि अंधमूक बाइपास के अपराधी सक्रिय है। जिन्हें पकड़ना है। बुधवार रात को जब वे सड़क किनारे खड़े होकर बस से आ रहे अपराधी का इंतजार कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार जीप ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के बाद अब पुलिस इस एंगल से जांच कर रही है कि कहीं इस घटना को जान बूझकर तो अंजाम नहीं दिया गया।

अपराधी की तलाश कर रहे थे

संजीवनी नगर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक अभिषेक अपने काम के प्रति हमेशा सजग रहते थे। थाना प्रभारी ने एक अपराधी को पकड़ने के लिए उन्हें टास्क दिया था। जिसका पालन करते हुए वो बुधवार रात को अंधमूक बाइपास से करीब डेढ़ सौ मीटर आगे सड़क किनारे खड़े होकर मुखबिर की सूचना पर बताए गए अपराधी का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच भोपाल से जबलपुर तरफ आ रही एक तेज रफ्तार जीप ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके चलते हवा में उछलते हुए वो सड़क पर जा गिरे। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने वर्दी में तैनात रहे अभिषेक को फौरन इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया और फिर पुलिस को सूचना दी।

घर में सो रही थी बच्ची, पास बैठा मिला जहरीला सांप, नानी ने रोने की आवाज सुनी तो बचाया

जबलपुर में 8 फीट लंबा अजगर भी निकला

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर के तिलवारा क्षेत्र की क्रेशर बस्ती में डेढ़ साल की बच्ची के सिर पास जहरीला सांप बैठा मिला। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे घर में बच्ची की नानी शांति बाई ठाकुर पूजा कर रही थीं, तभी उन्हें नातिन के रोने की आवाज आई। जब वो कमरे में पहुंचीं तो देखा कि बच्ची के सिर के पास काले रंग और सफेद धारियों वाला सांप बैठा था। शांति बाई ने हिम्मत दिखाते हुए बच्ची को तुरंत गोद में उठाया और कमरे से बाहर ले आईं। उन्होंने अपने पति पप्पू ठाकुर को बुलाया, तब तक सांप दीवार की दरार में घुस गया। इसके बाद सर्प विशेषज्ञ गजेंद्र दुबे को बुलाया गया। उन्होंने मौके पर आकर सांप को सुरक्षित पकड़ा और बरगी के जंगल में छोड़ दिया।

जहरीले सांपों में से एक था

गजेंद्र दुबे ने बताया कि यह इंडियन कॉमन करैत था, जो भारत के सबसे जहरीले सांपों में से एक है। इसमें ऐसा जहर होता है जो कोबरा से भी ज्यादा खतरनाक होता है। यह सांप अक्सर रात के समय सोते हुए लोगों को काटता है। अगर समय पर इलाज न मिले तो जान का खतरा रहता है। शांति बाई ने बताया कि बच्ची पहले रो रही थी, तब उन्होंने उसे दूध की बोतल दी और बाहर आ गई थीं। फिर रोने की आवाज सुनकर वापस गईं, तो सांप दिखा। अगर समय पर बच्ची को नहीं उठाया होता, तो कुछ भी हो सकता था।

8 फीट लंबा और 40 किलो वजनी था अजगर

बुधवार देर रात जबलपुर के शक्ति नगर इलाके में करीब 8 फीट लंबा और 40 किलो वजनी अजगर देखा गया। कॉलोनी वालों ने इसकी सूचना वन्य प्राणी विशेषज्ञ अवि बरसे को दी। वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, अजगर को पकड़ा, उसे पानी पिलाया और फिर वन विभाग के हवाले कर दिया।

जानिए सांपों को घर में आने से रोकने के उपाय

बरसात के मौसम में बिलों में पानी भरने और तापमान में होने वाले परिवर्तन के कारण सांप जैसे जीव अपने बिलों से बाहर निकल आते हैं और खुद के लिए सुरक्षित स्थान तलाशते हुए लोगों के घरों में घुस जाते हैं। यही कारण है कि बारिश के मौसम में सांप काटने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। जो लोग वनांचल, ग्रामीण, पहाड़ी या शहरी इलाकों में ग्राउंड फ्लोर पर रहते हैं, उन्हें सर्पदंश का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। ऐसे में जानिए सांपों को घर में आने से रोकने के उपाय।

कांग्रेस नेता बोले- तीजा पर तुम्हारी मां-बहन पीती हैं शराब

जबलपुर में भाजपा नेता से कहा- इसलिए तुम लोगों को बुरा लग रहा; केस दर्ज

जबलपुर। राष्ट्रबाण

भाजपा नेता जीएस ठाकुर ने कहा कि, तीजा पर सोशल मीडिया पर मैंने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इसमें जीतू पटवारी के बयान पर खुद महिलाओं के द्वारा फैसला करने की बात लिखी थी। इस पर कांग्रेस के पूर्व पार्षद का महिलाओं के बारे में ऐसा लिखना बहुत अपमानजनक है।

पटवारी ने कहा था- एमपी में सबसे ज्यादा शराब की खपत

दरअसल, जीतू पटवारी ने सोमवार को भोपाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था, मध्यप्रदेश को तमगा मिला है कि महिलाएं सबसे ज्यादा शराब अगर पूरे देश में कहीं पीती हैं तो यहां की पीती हैं। यह समृद्ध मप्र का सपना देखने वाली बीजेपी ने मप्र के हालात कर दिए हैं। देश में शराब की सबसे ज्यादा खपत कहीं है तो मध्यप्रदेश में है। पटवारी का यह बयान सामने आने के बाद देशभर में राजनीति बयानबाजी शुरू हो गई। बीजेपी ने इसे लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की मानसिकता बताते हुए पटवारी से माफी की मांग की। वहीं बीजेपी महिला मोर्चा ने जगह-जगह प्रदर्शन किए।

जबलपुर नगर निगम में कांग्रेस पार्षदों का धरना प्रदर्शन, कहा- शहर में कचरा कलेक्शन सिस्टम ठप

महापौर बोले- राजनीति कर रहे

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर नगर निगम में गुरुवार को कांग्रेस पार्षदों ने सदन की कार्यवाही के दौरान धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की वजह शहर की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी और जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान न होना बताया। कांग्रेस पार्षदों ने आरोप लगाया कि रुके हुए विकास कार्य और अस्त-व्यस्त डोर कचरा इकट्ठा करने वाली व्यवस्था ने शहर की सूरत बिगाड़ दी है।

कचरा इकट्ठा करने का काम ठप पड़ा

नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने कहा कि जिन ठेकेदारों को हटाया गया, उनकी जगह नई व्यवस्था नहीं की गई, जिससे कचरा इकट्ठा करने का काम ठप पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम जनता अपनी शिकायतें लेकर नगर निगम के चक्कर काट रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। कांग्रेस पार्षदों ने शहर की जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए सदन में विरोध का रास्ता अपनाया।

महापौर बोले- धरना राजनीति से प्रेरित

महापौर जगत बहादुर अन्नू ने कांग्रेस के धरना प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि बैठक पहले से ही निर्धारित थी, जिसमें शहर के 10 अहम विषयों पर चर्चा होनी थी। महापौर ने बताया कि विपक्ष ने धारा 30 के तहत अलग से बैठक बुलाने की मांग की थी, जिसे स्वीकार नहीं किया गया, क्योंकि अहम मुद्दे इसी बैठक में शामिल थे। इनमें से एक विषय तो ऐसा है जिसे हाईकोर्ट में रखना है, और इस पर चर्चा होनी जरूरी है। महापौर ने विपक्ष पर विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि निगम शहर के विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित हुई, लेकिन बाद में बैठक दोबारा शुरू की गई, जिसमें हाईकोर्ट से संबंधित अहम मुद्दे पर चर्चा चल रही है।

मेडिकल कॉलेज में फॉरेंसिक डिपार्टमेंट के एचओडी को आया हार्टअटैक

घर में चक्कर खाकर गिरे, जबलपुर में इलाज के दौरान मौत

जबलपुर। राष्ट्रबाण

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में पदस्थ डॉ. विवेक श्रीवास्तव (45) की बुधवार रात मौत हो गई। डॉ. विवेक अपने घर में थे, उन्हें चक्कर आया और गिर गए। परिजनों की सूचना पर डॉ. विवेक को लेकर साथी डॉक्टरों मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने का प्रयास किया, पर सफल नहीं हुए। शव का आज पीएम होगा। मूलत- लखनऊ (उप्र) के डॉ. विवेक मेडिकल कॉलेज में फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के एचओडी थे। उन्होंने साल 2011 में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की थी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने डॉ. विवेक की मौत पर दुख जताया है। एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. रिचा शर्मा ने बताया कि रात को सूचना मिली कि डॉ. विवेक की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज लाया जा रहा है।

परिजनों की उपस्थिति में होगा पीएम

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना, अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा के साथ सभी विभागों के एचओडी और डॉक्टरों की टीम मेडिकल कॉलेज पहुंची, तुरंत ही उनका इलाज शुरू किया। हर संभव प्रयास किए गए, पर उनकी जान नहीं बची। देर रात को उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें हार्ट अटैक आया था। डॉ. विवेक के परिवार में पत्नी और एक 14 साल की बेटी है। गुरुवार को परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल कॉलेज में उनका पीएम होगा।

जबलपुर में बीच सड़क पर चाचा-भतीजे पर हमला

घटना सीसीटीवी में कैद, पुरानी रंजिश के चलते हुए था विवाद

जबलपुर। राष्ट्र बाण

पुरानी रंजिश को लेकर तीन लोगों ने चाचा-भतीजे पर प्राणघातक हमला कर दिया। हमले में दोनों बुरी तरह से घायल हो गए हैं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना मंगलवार को कुंडम थाना के ग्राम बघराजी की है। हमले के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। इसमें तीन लोग रॉड और लाठी से बीच सड़क पर चाचा-भतीजे पर हमला कर रहे हैं। वारदात के बाद आरोपी फरार हैं। आरोपी ग्राम महगवां के बताए गए हैं।

खाद लेने गया था तभी किया हमला

बघराजी गांव मे रहने वाले किसान सुरेश कनोजिया मंगलवार को खाद लेने के लिए बाजार गए थे, उन्हें खाद नहीं मिली तो वह घर जाने लगे। इसी बीच उनके एक साथी ने बैठने के लिए अपनी दुकान बुला लिया। इसी बीच ग्राम महगवां के तेजभान यादव अपने दो साथियों के साथ आया और सुरेश पर हमला कर दिया। दरअसल सुरेश और तेजभान के भाई वेदभान का कुछ समय से विवाद चल रहा था।

चाचा को बचाने भतीजे आया-उसे भी मारा

तेजभान अपने साथियों के साथ मिलकर सुरेश पर हमला कर रहा था, जानकारी रमन कनोजिया को लगी तो वह चाचा को बचाने के लिए बस स्टैंड पहुंचा। आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया। घटना में चाचा-भतीजे के हाथ-पैर और कमर में गंभीर चोट आई हैं। कुंडम थाना प्रभारी सतीष अंधवान चौकी प्रभारी बघराजी मुनीष कोल के साथ मौके पर पहुंचे और बयान लेने के बाद के चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी का कहना है कि पुरानी रंजिश के कारण यह विवाद हुआ है। घटना के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, जिस पर आरोपी प्राणघातक हमला कर रहे हैं।

कहा- इंदौर-भोपाल-ग्वालियर से कई गुना कम उड़ानें, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

एयर कनेक्टिविटी में पिछड़ा जबलपुर, हस्तक्षेप याचिका दर्ज

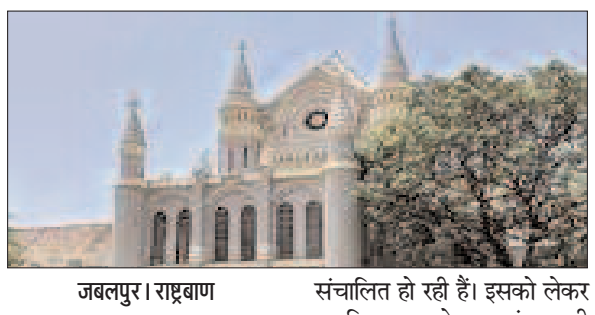

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर डुमना एयरपोर्ट के विस्तार पर केंद्र सरकार ने 400 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए, लेकिन इसके बाद भी यहां एयर कनेक्टिविटी बढ़ने के बजाय लगातार घटती गई। वर्तमान में एयरपोर्ट से सिर्फ 9 फ्लाइटें संचालित हो रही हैं। इसको लेकर नागरिक उपभोक्ता मंच की याचिका के बाद अब लॉ छात्र पार्थ श्रीवास्तव ने हस्तक्षेप याचिका दायर की। गुरुवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय, ष्ठत्रष्ट और एयरलाइंस कंपनियों से 10 दिन में जवाब मांगा है।

याचिका पर सुनवाई

लॉ छात्र पार्थ श्रीवास्तव की ओर से सीनियर एडवोकेट आदित्य संघी ने दलील दी कि जबलपुर से केवल 9 उड़ानें हैं, जबकि भोपाल से रोजाना 50, इंदौर से 80 और ग्वालियर से 20 से ज्यादा उड़ानें संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि फ्लाइट की कमी से न केवल मरीज और डॉक्टर प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट जाने वाले अधिवक्ता भी परेशान हैं।

कोर्ट में दी गई दलीलें

एडवोकेट संघी ने बताया कि यात्रियों को अक्सर नागपुर, भोपाल या इंदौर होकर कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी पड़ती है। जबकि जबलपुर हाईकोर्ट की वजह से यहां का एयर ट्रैफिक ज्यादा है। इसके अलावा पास में चार नेशनल टाइगर रिजर्व और पर्यटन स्थलों के कारण भी हवाई कनेक्टिविटी जबलपुर के लिए जरूरी है।

हाईकोर्ट का रुख

चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय, ष्ठत्रष्ट, एयरपोर्ट अथॉरिटी, डुमना एयरपोर्ट डायरेक्टर और एयरलाइंस कंपनियों (एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस) को नोटिस जारी कर 10 दिन में जवाब तलब किया।

पहले भी उठ चुका है मुद्दा

इससे पहले 12 अगस्त को नागरिक उपभोक्ता मंच की याचिका पर हाईकोर्ट ने एयरलाइंस से पूछा था कि डुमना एयरपोर्ट बंद क्यों न कर दिया जाए? उस समय एयरलाइंस ने ज्यादा टैक्स का हवाला देते हुए फ्लाइट संचालन में असमर्थता जताई थी। पहले जबलपुर से मुंबई, पुणे, कोलकाता और बेंगलुरु जैसी बड़ी उड़ानें चलती थीं, लेकिन धीरे-धीरे फ्लाइटें बंद हो गईं। पहले यहां से औसतन 15 फ्लाइटें संचालित होती थीं, जो अब घटकर 9 रह गई हैं।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 29 अगस्त 2025

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

मार्केट की करोड़ों की जमीन हड़पने की साजिश नाकाम

फर्जी वसीयत बनाने वाले दो भाइयों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

बैतूल। राष्ट्रबाण

शहर के सबसे महंगे व्यवसायिक इलाके सराफा मार्केट की बेशकीमती जमीन हड़पने की साजिश आखिरकार फोरेंसिक जांच में बेनकाब हो गई। दो भाइयों द्वारा तैयार किया गया कथित वसीयतनामा पूरी तरह फर्जी साबित हुआ है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

फर्जी वसीयत से कब्जाने की कोशिश

मामला कोठी बाजार स्थित सीमेट रोड का है, जहां नजूल शीट नंबर 7, प्लॉट नंबर 115 दर्ज है। इस भूखंड का कुल क्षेत्रफल 6243 वर्गफीट है। इसी में से 3121.5 वर्गफीट भूमि पर कब्जे की नीयत से चक्कर रोड बैतूल निवासी सुधीश उर्फ राजा तातेड और संदेश उर्फ मीनू तातेड ने कथित तौर पर एक वसीयतनामा तैयार किया और उसे न्यायालय में शपथ पत्र सहित प्रस्तुत कर दिया।

लेकिन फरियादी की शिकायत पर जब इस दस्तावेज की फोरेंसिक जांच कराई गई, तो बड़ा खुलासा हुआ। विशेषज्ञों की रिपोर्ट में साफ बताया गया कि उक्त वसीयत न तो दस्तावेजीय रूप से प्रमाणिक है और न ही उसमें किए गए हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान वास्तविक हैं।

गवाहों पर भी शक

जिन दो गवाहों को वसीयत में शामिल किया गया था, उनमें से एक राजेन्द्र वल्द भागीरथ सोनी, निवासी इटारसी पर पूर्व में ही कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इससे दस्तावेज की विश्वसनीयता और भी संदेहास्पद हो गई है। फरियादी ने अपने आवेदन में स्पष्ट मांग की है कि न केवल आरोपियों पर बल्कि फर्जी गवाही देने वाले गवाहों पर भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

● जमीन का महत्व

घटना स्थल थाना कोतवाली से मात्र आधा किलोमीटर पश्चिम दिशा में स्थित है। सराफा मार्केट और सीमेट रोड क्षेत्र बैतूल का सबसे महंगा और व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाका माना जाता है। यहां भूमि की कीमतें करोड़ों रुपये प्रति प्लॉट तक पहुंच चुकी हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र की जमीन पर कब्जे की नीयत से अक्सर फर्जीवाड़े की कोशिशें होती रहती हैं।

● पुलिस ने शुरू की गहन जांच

कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए दस्तावेजों और गवाहों की गहनता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ जमीन कब्जाने का मामला नहीं है, बल्कि इसमें एक सुनियोजित साजिश की बू आती है। आरोपियों ने न्यायालय तक को गुमराह करने की कोशिश की, जिसे फोरेंसिक रिपोर्ट ने उजागर कर दिया।

● व्यापारियों में चर्चा का विषय

सराफा व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों के बीच यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि फर्जीवाड़े का पर्दाफाश समय रहते नहीं होता तो करोड़ों रुपये मूल्य की भूमि पर गलत तरीके से कब्जा हो सकता था। इससे न केवल वैध मालिक को नुकसान होता, बल्कि न्यायिक व्यवस्था की भी प्रतिष्ठा धूमिल होती।

फोरेंसिक रिपोर्ट ने खोली पोल

फोरेंसिक विशेषज्ञों की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों द्वारा प्रस्तुत वसीयतनामा पूरी तरह से फर्जी है। दस्तावेज में इस्तेमाल किए गए हस्ताक्षर और निशान अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा बनाए गए प्रतीत होते हैं और उनकी कोई कानूनी मान्यता नहीं है। यही नहीं, वसीयत में शामिल किए गए गवाह भी संदिग्ध पाए गए।

धोखाधड़ी का केस दर्ज

इस शिकायत पर थाना कोतवाली पुलिस ने 21 अगस्त को भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ प्रस्तुत दस्तावेज गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में आते हैं, इसलिए उनकी गिरफ्तारी किसी भी समय हो सकती है।

पाथाखेड़ा चौकी प्रभारी पर महिला के साथ मारपीट-गालीगलौज के आरोप

बैतूल। राष्ट्रबाण

पाथाखेड़ा चौकी प्रभारी के खिलाफ लगातार गंभीर आरोप लगते जा रहे हैं। गुरुवार को एक मामला और सामने आया जिसमें शोभापुर कॉलोनी निवासी महिला कविता विश्वकर्मा ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि चौकी प्रभारी, आरक्षक और हवलदार बार-बार रात के 12 बजे के बाद उसके घर में घुसकर गालीगलौज और मारपीट करते हैं। विरोध करने पर धमकी दी जाती है कि अगर भाई अजय विश्वकर्मा का पता नहीं बताया तो उसे और उसकी अंधी मां को झूठे केस में फंसा दिया जाएगा।

कविता ने बताया कि 15 से 18 अगस्त की रातों में लगातार चौकी प्रभारी और उनका स्टाफ घर में घुसे और प्रताड़ित किया। जन्माष्टमी की रात तो शराब के नशे में अधिकारी दरवाजा तोड़ने पहुंचे और बाल पकड़कर उसके साथ मारपीट की। उन्होंने धमकी दी कि पूरे परिवार को जेल में सड़वा देंगे और जीना हराम कर देंगे।

महिला ने आरोप लगाया कि 27 अगस्त की रात उसका भाई अजय विश्वकर्मा मुलताई चिखलीकला से जबरन पकड़ा गया। आधे रास्ते में उसे बेरहमी से पीटा गया और चौकी पाथाखेड़ा लाकर फिर मारपीट की गई। अभी तक उसे चौकी में ही बंद रखा गया है, न तो खाने-पीने को दिया जा रहा है और न ही परिजनों से मिलने दिया जा रहा। महिला ने आशंका जताई कि अधिकारी उसके भाई के साथ किसी अनहोनी को अंजाम दे सकते हैं।

कविता ने एसपी से गुहार लगाई है कि चौकी परिसर के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखे जाएं ताकि न्यायालय में प्रमाण के तौर पर पेश हो सकें। उसने कहा कि चौकी प्रभारी के कार्यकाल में गुंडों को संरक्षण मिल रहा है और अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। आम नागरिक भी दहशत में हैं। इसी माह 5 से 6 शिकायतें इन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराई जा चुकी हैं। महिला ने मांग की है कि चौकी प्रभारी, आरक्षक और हवलदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

गणेश चतुर्थी पर भारत भारती के विद्यार्थियों की अनोखी प्रस्तुति

मानव श्रृंखला से बनाई भगवान गणेश की अद्भुत आकृति

बैतूल। राष्ट्रबाण

गणेश चतुर्थी पर जहां देशभर में गणेश उत्सव की धूम मची है, वहीं भारत भारती आवासीय सीबीएसई विद्यालय, बैतूल के विद्यार्थियों ने अनोखे अंदाज में भगवान गणेश की आराधना कर सबका ध्यान खींचा। विद्यालय परिसर में छात्रों ने एकजुट होकर मानव श्रृंखला बनाई, जिससे भगवान श्री गणेश की सुंदर आकृति उभर कर सामने आई।

गणेश उत्सव के शुभारंभ पर विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित यह सांकेतिक भक्ति उनकी एकता का प्रतीक रही। इस अवसर पर कला और आस्था का भी अद्भुत संगम दिखाई दिया। छात्रों ने विद्यालय परिसर में पूरे उत्साह के साथ गणेश चतुर्थी की शुरुआत की।

संस्था के प्राचार्य जितेंद्र परसाई ने बताया कि छात्रावास के विद्यार्थियों के लिए हर वर्ष परिसर में 10 दिन तक गणेश उत्सव आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर छात्र परिषद के भैया आयोजन की पूरी जिम्मेदारी निभाते हैं। पूरे विधि-विधान और पारंपरिक उत्साह के साथ गणेश जी की प्रतिमा विद्यालय परिसर में स्थापित की जाती है, जहां प्रतिदिन प्रातः और सायं पूजन तथा आरती होती है। शाम के समय विद्यार्थियों के लिए बौद्धिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होता है, जो उनके व्यक्तित्व विकास और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करता है।

मानव श्रृंखला के आयोजन को सफल बनाने में शिक्षक भूपेंद्र गढ़वाल, निशांत कौरव, अजय सिंह, शुभम माकोड़े, दीपक, हेमंत सोनी, मुकेश दवांडे, लोकेश धुर्वे, रोहित त्यागी और अनंतराम की विशेष भूमिका रही। सभी शिक्षकों ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंशु ओझा की पुण्यतिथि मनाई

बैतूल। अखिल भारतीय ओझा जनजातीय समाज बैतूल इकाई द्वारा गुरुवार को वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंशु ओझा की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ओझा ढाना गंज में आयोजित समारोह में समाज के बंधुओं ने एकत्र होकर सेनानी ओझा जी को नमन कर उनके देशप्रेम व बलिदान को याद करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।

शांति समिति बैठक में यादव समाज को किया नजरअंदाज

बोरदेही थाना क्षेत्र के 90 गांवों में यादव समाज, फिर भी बैठक में नहीं दी सूचना, समाज में रोष

बैतूल। राष्ट्रबाण

बोरदेही थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में यादव समाज के किसी भी प्रतिनिधि को आमंत्रित नहीं करने पर समाज के लोगों में नाराजगी देखने को मिली। किसान नेता दिनेश यदुवंशी ने बताया कि बोरदेही थाना क्षेत्र में लगभग 90 गांव आते हैं और इनमें से अधिकांश यादव बाहुल्य क्षेत्र हैं। यादव समाज के कई नेता विभिन्न जिम्मेदार पदों पर भी पदस्थ हैं। इसके बावजूद पुलिस द्वारा बैठक की सूचना समाज को नहीं दी गई।

दिनेश यदुवंशी ने आरोप लगाया कि थाना क्षेत्र में दर्ज अधिकांश मामले यादव समाज से जुड़े होते हैं, ऐसे में शांति समिति की बैठक में समाज के प्रतिनिधियों की उपस्थिति आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि पुलिस अपने चहेतों को ही बुलाती है और यादव समाज की अनदेखी करती है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई बार यादव समाज के लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए गए हैं और संभवतः इसी कारण पुलिस द्वारा बैठक की सूचना जानबूझकर नहीं दी जाती। किसान नेता का कहना है कि बोरदेही थाना अंतर्गत सभी गांवों के लोग आपस में जुड़े हुए हैं, ऐसे में यादव समाज को दरकिनार करना उचित नहीं है। इस मामले को लेकर यादव समाज के बीच नाराजगी का माहौल है और समाज के जिम्मेदार पदाधिकारी आने वाले दिनों में इस विषय पर सामूहिक निर्णय भी ले सकते हैं। इसी मुद्दे को लेकर किसान नेता दिनेश यदुवंशी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई।

दीनदयाल रसोई का जिम्मा फिर विश्वकर्मा समाज समिति को

31 अगस्त को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष करेंगे शुभारंभ

बैतूल। राष्ट्रबाण

जिले में जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने वाली दीनदयाल रसोई का संचालन एक बार फिर विश्वकर्मा समाज समिति को सौंपा गया है। इस महत्वपूर्ण सेवा का शुभारंभ 31 अगस्त को दोपहर 12 बजे प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के करकमलों से किया जाएगा। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, कोठीबाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैध, गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा सहित नगरपालिका के समस्त पार्षदगण जनप्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि दीनदयाल रसोई की शुरुआत बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने वर्ष 2015-2016 में स्थानीय प्रतिष्ठित लोगों और व्यापारियों के सहयोग से की थी। उस समय जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करवाने का यह प्रयास इतना सफल हुआ कि बाद में यह योजना पूरे प्रदेश में दीनदयाल रसोई के रूप में लागू की गई। अब एक बार फिर विश्वकर्मा समाज समिति को जिम्मेदारी सौंपते हुए इस सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया गया है। दीनदयाल रसोई का उद्देश्य गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों को गरिमा के साथ भोजन उपलब्ध कराना है। 31 अगस्त को होने वाले शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में समाजसेवी, व्यापारी और आमजन भी शामिल होकर इस सेवा कार्य को गति देंगे। बैतूल में दीनदयाल रसोई का पुनः प्रारंभ सामाजिक सहयोग और मानवीय संवेदनाओं की नई मिसाल बनेगा।

इनफोसेप्ट डाटा एंड एआई कंपनी ने विद्यार्थियों को दिए रोजगार के टिप्स

श्री बालाजी कॉलेज में छात्रों को सिखाईं इंटरव्यू की बारीकियां

प्लेसमेंट ट्रेनिंग, तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स पर दिया जोर

बैतूल। राष्ट्रबाण

श्री बालाजी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, बैतूल में चल रहे स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत इस सप्ताह इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए एक विशेष रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय आईटी कंपनी इनफोसेप्ट डाटा एंड एआई द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें कंपनी के विशेषज्ञों ने फाइनल ईयर के विद्यार्थियों को प्लेसमेंट की प्रक्रिया, इंटरव्यू की तैयारी और करियर मार्गदर्शन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

इंडस्ट्रियल इंस्टिट्यूट इंटरेक्शन सेल के प्रभारी प्रोफेसर नीलेश मिश्रा ने बताया कि इस एक दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य फाइनल ईयर छात्रों को कैंपस सिलेक्शन में आने वाली चुनौतियों को समझाने और उन्हें पार करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में कंपनी के सीएसआर प्रशासनिक अधिकारी सुनील नरवरे ने छात्रों को कंपनी की कार्यप्रणाली, अवसरों और इंटरव्यू के लिए आवश्यक तैयारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे पूरे आत्मविश्वास और तैयारी के साथ प्लेसमेंट की प्रक्रिया में हिस्सा लें।

कंपनी के लीड सीएसआर रीमाचंद काले ने इंटरव्यू के दौरान ध्यान देने योग्य बातों, व्यवहारिक सावधानियों और आत्मप्रस्तुति की शैली के बारे में छात्रों को जागरूक किया। वहीं टेक्निकल फैसिलिटी मैनेजमेंट के डिप्टी मैनेजर राहुल राजनकर और प्रफुल्ल अगरकर ने कंपनी प्रोफाइल, बिजनेस मॉडल, रिज्यूमे निर्माण की विधि, वैकेंसी की जांच और ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया को लेकर गहराई से मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. जे. शाह, वाइस प्रिंसिपल प्रो. शशांक माने, डीन एकेडमिक प्रो. भावेश खासदेव, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज सिंह सिसोदिया, साइंस एंड ह्युमनिटीज विभागाध्यक्ष प्रो. वी. के. मालवीय, प्रो. हंसराज धाड़से, प्रो. अंकित खासदेव, प्रो. सतीश चढोकार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अनिरुद्ध दारूड़कर ने प्रभावशाली ढंग से किया।

गाय की निर्मम हत्या पर सड़क पर उतरे बजरंगी नगर पालिका का घेराव

सारनी। राष्ट्रबाण

बीती रात बागडोना मुख्य मार्ग सड़क पर दुर्घटना में 11 गौ वंश की निर्मम मृत्यु हुई जिससे संपूर्ण हिंदू समाज आक्रोशित था जिसे लेकर आज विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने विरोध प्रदर्सन करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सोपा एवं गायों के सरक्षण के लिए सुरक्षा दृष्टि से निम्न मागे रखी जिसमें जल्द से जल्द गौशाला निर्माण कराई जाए।, बगडोना काली माई राजीव चौक तिगड़ा पर रात भर के लिए नगर पालिका द्वारा वालंटियर प्रदान किए जाएं। मुख्य मार्ग पर साइन बोर्ड लगाया जाए।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारी एवं संगठन के कार्यकर्ताओं ने सारणी पेट्रोल पंप से रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए नगर पालिका का घेराव किया जिसमें मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री लल्लन यादव, जिला सह मंत्री लक्ष्मीकांत पांडे, जिला उपाध्यक्ष मधु जगदेव, जिला सुरक्षा प्रमुख विजय पटने, जिला सत्संग प्रमुख खेमराज झारखंडे ,प्रखंड संयोजक निशांत भंडारे, प्रखंड मंत्री राहुल ददोरे, प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख प्रदीप राठौर अन्य कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 29 अगस्त 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

वारासिवनी में रासेयो द्वारा एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

बालाघाट। राष्ट्रबाण

शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में 28 अगस्त को मप्र शासन एवं कार्यक्रम समन्वयक रासेयो रानी दुर्गावती विश्वे वविद्यालय जबलपुर के निर्देशानुसार महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन संस्था प्राचार्य डॉ. एसएस गेड़ाम के मार्गदर्शन तथा श्री कृष्णा पराते रासेयो कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री अजय बैस सूचना एवं प्रसारण बालाघाट, कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल बिसेन ज.भा. समिति अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि डॉ. शैलेन्द्र भलावी कृषि महाविद्यालय बालाघाट, सजिन्द्र कृष्णन जिला खेल प्रशिक्षण कराते खेल विभाग बालाघाट, डॉ. सरिता कोल्हेकर, डॉ. रक्षा निकोसे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी स्वयं सेवको द्वारा एनएसएस जाकरूकता अभियान एवं पंजीयन कार्य के लिए एनएसएस गतिविधियो की प्रतिकात्मक छायाचित्र सेल्फी प्वांइट के रूप में बनाया गया। मुख्य अतिथि ने स्वयं सेवको का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को एनएसएस इकाई से जुड़ना चाहिए, एनएसएस इकाई से जुड़कर सभी स्वयं सेवक शिक्षा, समाज सेवा एवं व्यक्तित्व विकास और बौद्धिक परिवर्तन करके समाज, राष्ट्र और देश को एक नई दिशा प्रदान कर सकते है। शासन की अनेक योजनाओं को गोदग्राम तथा अन्य ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता के साथ प्रचार-प्रसार में अपना योगदान अवश्य दे सकते है।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. भलावी ने एनएसएस इकाई की समस्त गतिविधिया जैसे शिविर, जागरूकता कार्यक्रम का परिचय देते हुए स्वयं सेवको से कहा कि राष्ट्र सेवा योजना ही एक ऐसा मंच है जो हमे निरंतर विकास की ओर गति प्रदान करने के लिए बढ़ावा देता है। सजिन्द्र कृष्णन द्वारा कहा गया कि स्वयं सेवको को खेल के साथ जुड़कर कराटे खेल अनिवर्य रूप से अपनी आत्मरक्षा के लिए जरूर सीखना चाहिए और दूसरे स्वयं सेवको भी प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित श्री प्रफुल्ल बिसेन अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी द्वारा कहा कि स्वयं सेवको को एनएसएस इकाई के साथ जुड़कर महाविद्यालय समाज तथा ग्रामीण अंचल में अनेक समस्याओं को हल करने के लिए एक साथ जुड़कर कार्य करने की आवश्े यकता है इसके पश्चात ही हम शिक्षा ग्रहण करते हुए अपने व्यक्तित्व का विकास कर समाज को लाभ दे पायेंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसएस गेड़ाम द्वारा समस्त अथितियों की उपस्थिति में शासन द्वारा निर्धारित 'प्रगति के पथ पर मध्यप्रदेश पुस्तक का विमोचन किया गया एवं अपने उद्बोधन में कहा कि इस एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में एनएसएस इकाई द्वारा कार्यक्रम को आयोजित कर सराहनीय कार्य किया गया। जिसमें समस्त स्वयं सेवको ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को एनएसएस की गतिविधियों से प्रतिकात्मक छायाचित्र सेल्फी प्वांइट द्वारा परिचय कराया सभी को शुभकामनाज् प्रेषित की। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन स्वयं सेवक अभिनय डोंगरे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस अधिकारी श्री कृष्णा पराते द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, स्वयं सेवक, छात्र-छात्राज् एवं महाविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया।

कुकड़ीखापा विकास कार्य के लिए हुआ मंथन

वॉटर फॉट स्थल पर समिति सदस्यों की हुई बैठक

छिंदवाड़ा। राष्ट्रबाण

पर्यटन स्थलों के विकास पर जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है, इसी कड़ी में अब प्राथमिकता में कुकड़ीखापा वॉटर-फॉल को रखा गया है। पिछले कुछ समय से यहां लगातार एडवेंचर एक्टिविटी करवाई जा रही है। इससे यहां लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है, अब यहां कई अन्य विकास कार्य करने की योजना पर कार्य चल रहा है।

कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में छिंदवाड़ा जिले में पर्यटन विकास की गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह व सीईओ जिला पंचायत कुमार के निर्देशानुसार आज गुरूवार को जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी बलराम राजपूत व पर्यटन प्रबंधक गिरीश लालवानी ने कुकड़ीखापा वॉटर-फॉल का दौरा किया और अंचल की पर्यटन विकास समिति के साथ बैठक करके यहां होने योग्य विकाय कार्यों पर चर्चा की। पर्यटन विकास समिति के सदस्यों व ग्रामीणों ने वॉटर-फॉल के आस-पास रेलिंग लगाने, पेयजल व बिजली की व्यवस्था करने का सुझाव दिया। नोडल अधिकारी श्री राजपूत ने निर्देश दिए कि वॉश ऑन व्हील्स सफाई मित्र की सेवाएं लेकर सामुदायिक शौचालय की सफाई नियमित तौर पर करवाई जाए। शनिवार व रविवार के साथ छुट्टियों के दिनों में सफाई का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। ग्रामीणों के साथ बैठक में उन्हें समझाया गया कि यहां आने वाले पर्यटकों को प्लास्टिक के कम से कम उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए, साथ ही पार्किंग प्रभारी को प्लास्टिक कचरे के निपटान के लिए निर्देश दिए गए। कुकड़ीखापा वॉटर-फॉल पर बढ़ रही पर्यटकों की संख्या को देखते हुए सुरक्षा उपायों के साथ यहां के रास्ते में सूचना बोर्ड लगाने का निर्णय लिया गया।

श्रमोदय आदर्श आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया जारी

बालाघाट। मप्र भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल अंतर्गत संचालित श्रमोदय आदर्श आईटीआई में वर्ष 2025-26 के लिए 08 ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया का कार्य ष्टस्ष पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। जिला श्रम पदाधिकारी श्री राकेश ठाकरे ने बताया कि आईटीआई में इन 08 ट्रेडो में शेष रिक्त सीटों पर केवल मप्र भवन एवं अन्य संनिर्माण, कर्मकार मण्डल के पात्र पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की संतानों को प्रवेश दिया जाना है।

पीएम एक्सीलेंस पीजी कॉलेज में रोजगार मेले का हुआ आयोजन

627 युवक, युवतियों ने कराया पंजीयन, 476 हुए चयनित

बालाघाट। राष्ट्रबाण

कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग एवं तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा 28 अगस्त को पीएम एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट के प्रांगण में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया गया है।

इस रोजगार मेले में 24 कंपनियॉ सी.आई.आई स्कीलं सेंटर छिंदवाड़ा, डी.के. केरियस प्लेसमेंट, प्रथम ऐजुकेशन, टेंगो सिक्युरिटी रायपुर, कासमास मेनपावर गुजरात, आमदानी प्रा.लि. हैदराबाद, एल.आई.सी में जिले के लगभग 627 युवक, युवतियों ने अपना पंजीयन कराया। जिसमें 476 युवक/युवतियों का अप्रेंटिस के लिए प्रारंभिक रूप से चयन किया गया। मेले में एम.एस.एम.ई. अंत्यावसायी विभाग, आई.टी.आई. आदिवासी विभाग, आरसेटी, प्रधानमंत्री कौशल विकास के द्वारा स्टाल लगाये गये एवं विभाग द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

इस रोजगार मेले में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अशोक कुमार मराठे प्राचार्य पीजी कॉलेज, डॉ. पी.एस.कातुलकर एचओडी कॉमर्स, उद्योग केन्द्र की महाप्रबंधक एवं रोजगार अधिकारी श्रीमती प्रीति मर्सकोले, अधिकारी एवं उद्योगपति श्री संजय वैद्य, श्री राकेश ठाकरे श्रम अधिकारी, श्री विनायक मार्को उपसंचालक हाथकरघा, श्री आरएन सिंह प्राचार्य आईटीआई, श्री हेमन्त मेश्राम वेलनेस सेंटर भोपाल एवं अन्य अतिथियों द्वारा रोजगार मेले में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास में दक्षता हासिल करने का सुझाव दिया गया है। जिससे उन्हे रोजगार प्राप्ती में सहायता मिल सके। अंत में श्री सुनील ढोक जिला समन्वयक सेडमैप द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

जन अभियान परिषद द्वारा मानेगांव में किया गया पौधारोपण

प्रस्फुटन समिति की हुई बैठक

बालाघाट। राष्ट्रबाण

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटंगी द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मानेगांव और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर के सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्र मानेगांव में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के पश्चात ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में चर्चा करते हुए विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए पौधारोपण अनिवार्य है और हम सब प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारीयों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जन्म दिवस, विवाह वर्षगांठ अन्य मांगलिक कार्यो के अवसर पर फलदार, छायादार पौधों का रोपण करें उसका संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए है। श्री दशरथ भगत ने कहा कि कोरोना कल के समय ऑक्सीजन की कमी के कारण हम सब ने बहुत संघर्ष किया है इसलिए सभी को सामुहिक मिलकर पौधारोपण करना जरूरी है। जन अभियान परिषद द्वारा यह बहुत ही सराहनीय पहल है। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष मारुती शरणागत, कमलकिशोर वागरे, धर्मेन्द्र खरे, श्रद्धा बोरकर, वर्षा वारके, चम्पा पटले, रेखा ठाकरे सहित सामाजिक कार्यकर्ता, प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी, स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए 31 आवेदन प्राप्त हुए

बालाघाट। राष्ट्रबाण

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक उपभोक्ताओं के सोलर पेनल लगाने के लिए आवेदन प्राप्त करने विद्युत वितरण केंद्र स्थल पर शिविर लगाए गए है। इन शिविरों में इस योजना के अंतर्गत अपने घरो की छत पर सोलर पेनल लगाने के लिए 31 आवेदन प्राप्त हुए है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के अधीक्षण यंत्री श्री अमित कुमार ने बताया कि बालाघाट वृत्त अंतर्गत 04 अगस्त 2025 से अब तक वितरण केन्द्र बालाघाट शहर, सरेखा-1, सरेखा-2, हट्टा, रजेगांव, किरनापुर, भानेगांव, भरवेली, लांजी, वारासिवनी, सांवगी, रामपायली, खैरलांजी, डोंगरमाली, लालबर्रा, लामता, अमोली, परसवाड़ा, उक्वा, कोचेवाही में पी.एम.सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए कुल 21 नंबर शिविर आयोजित किये गये है। इन शिविरों में सोलर पेनल लगाने के लिए कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए है। संभाग के कार्यपालन अभियंताओं एंव कनिष्ठ अभियंता द्वारा समय-समय पर इन शिविरो का निरीक्षण किया गया। शिविर में ऐसे उपभोक्े ता जिनकी खपत 150 यूनिट से ज् यादा आ रही है, वे शिविर में उपस्थित हुये तथा संबंधित क्षेत्र के सरपंच एंव सचिव के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शिविर में उपस्थित रहे। शिविर में संबंधित क्षेत्र के सहायक अभियंता/ कनिष्ठ अभियंता द्वारा योजना के अंतर्गत सोलर रूफटॉप एंव नेट मीटर की विस्तृत जानकारी दी गई तथा शिविर में उपस्थित वेंडर द्वारा उपभोक्ताओं को सोलर रूफटॉप लगाने के फायदे एंव आवेदन करने की प्रक्रिया की विस्े तार पूर्वक जानकारी दी गई।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 29 अगस्त को प्रातः 09 बजे हाकी मैदान बालाघाट में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ करेगी तथा प्रातः 10 बजे हरिमंगलम लॉन बालाघाट में खेल सम्मान समारोह में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी प्रातः 11 बजे बालाघाट से लांजी क्षेत्र के लिए प्रस्े थान करेंगी और ग्राम भानेगांव व बम्हनवाड़ा में निर्माण कार्यो के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगी। श्रीमती पारधी सायं 06 बजे बम्हनवाड़ा से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

विकसित भारत अभियान सप्ताह के अंतर्गत एसएसपी महाविद्यालय मे हुआ खेल आयोजन

बालाघाट। राष्ट्रबाण

6 मप्र बटालियन एनसीसी बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के निर्देशन एवं महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एसएस गेड़ाम के मार्गदर्शन मे शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी के खेल प्रांगण में 28 अगस्े त को एनसीसी के कैडेट्स द्वारा क्रीडा विभाग के सहयोग से एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय मे एनसीसी अधिकारी कैप्टेन डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले के नेतृत्व मे भारत का पारम्परिक खेल कबड्डी का आयोजन किया गया जिसमें एनसीसी कैडेट्स की चार टीम बनाई गई। कबड्डी मैच दो टीम सीनियर विंग और दो टीम सीनियर डिवीज़न के मध्य खेला गया। खेल आयोजन का प्रथम मैच एनसीसी सीनियर गर्ल्स कप्तान कैडेट रूपाली कुर्वेति विरुद्ध एनसीसी जूनियर गर्ल्स कप्तान कैडेट आयुशी राहंगडाले के बीच हुआ। जिसमें एनण्सीण्सी सीनियर गर्ल्स की टीम विजेता रही।

खेल आयोजन का द्वितीय मैच एनसीसी सीनियर डिवीज़न अल्फ़ा टीम कप्तान सीएचएम खिलेश ठाकरे विरुद्ध ब्रावो टीम कप्तान कैडेट कृष्ण नेवारे के मध्य खेला गया जिसमें ब्रावो टीम विजय रही। इस प्रतीकात्मक खेल आयोजन मे निर्णायक के रूप में दीपक फाये, पूजा पुर्राम, तमन्ना सांसवार, महक उइके, संजना परते, मोहिनी नागपुरे, अनुराग संसवार, रजनीकांत उईके ने अपनी अहम भूमिका निभाई। महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी श्री कृष्णा पराते एवं सहायक प्राध्यापक श्री नरेंद्र डोंगरे इस खेल आयोजन मे कैडेट्स के उत्साह वर्धन के लिए उपस्थित रहे।

13 को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत

बालाघाट। राष्ट्रबाण

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 13 सितम्बर 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। इस आयोजन के सफल क्रियान्े वयन के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्राणेश कुमार प्राण की अध्यक्षता में बीमा कंपनी के अधिवक्तागणों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्लेम से संबंधित प्रकरणों के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही नेशनल लोक अदालत के लाभ के संबंध में उपस्थित अधिवक्तागण को जानकारी प्रदान करते हुए 13 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में सभी बीमा कंपनी के अधिवक्तागण से अधिक से अधिक क्लेम प्रकरणों में राजीनामा के माध्यम से निराकरण किये जाने के लिए सहयोग की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) श्री रघुवीर प्रसाद पटेल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सतीष शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री अविनाश छारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, अधिवक्ता श्री सुभाष शुक्ला, श्री प्रदीप सोनी, श्री ओमकार उपवंशी, श्री सुभाष तुरकर, श्री उबेद खान, श्री सिराज कुरैशी, जे.एल.अंगारे, श्री एलआर गढ़वंशी आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने की बीमा योजनाओं के क्लेम भुगतान की समीक्षा

बीमा योजनाओं के क्लेम का त्वरित भुगतान करने के निर्देश

बालाघाट। राष्ट्रबाण

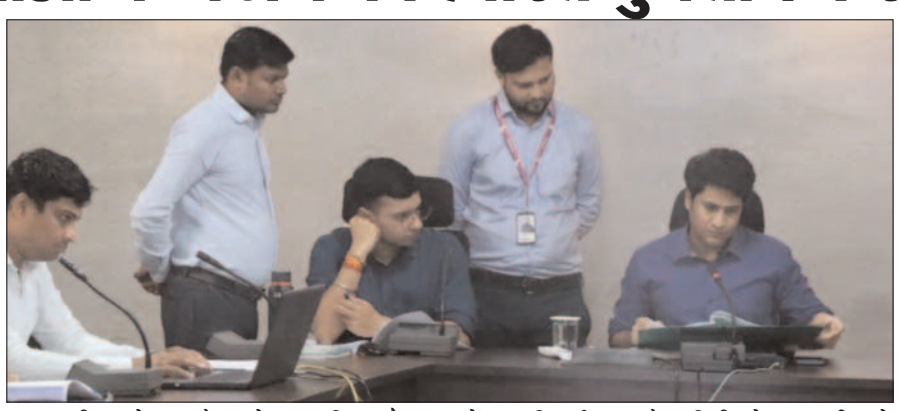

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 28 अगस्त को बैंक एवं बीमा कंपनी के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम संबंधी लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में सहायक कलेक्टर श्री आकाश अग्रवाल, अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार, बैंक अधिकारी एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री मीना बैठक में बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम संबंधी प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। बैंक से बीमा कंपनी को प्रकरण भेजने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित क्लैम प्रकरणों का अनिवार्य रूप से निराकरण करें। जब बैंक द्वारा बीमाधारक से बीमा की राशि जमा कराई गई है तो बैंक अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती हैकि बीमाधारक की मृत्यु होने पर उसके नामिनी को समय सीमा में क्लैम दिलायें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। बैंक अधिकारी इस बात का भी ध्यान रखें कि क्लैम नहीं मिलने संबंधी शिकायत सीएम हेल्पलाईन या जनसुनवाई में आने की स्थिति नहीं बनना चाहिए।

बैठक में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम संबंधी लंबित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इन दोनों योजनाओं में बीमा धारक व्यक्ति की मृत्यु होने पर बीमा धारक के नामिनी से आवेदन प्राप्त होने पर संबंधित बैंक के शाखा प्रबंधक को आनलाईन पोर्टल पर सारी जानकारी और दस्तावेज अपलोड कर बीमा कंपनी को भेजना होता है। इसके बाद बीमा कंपनी द्वारा क्लैम अर्थात दावा राशि मंजूर की जाती है। यह सभी कार्य समय सीमा में करना होता है।

सिवनी राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण

अर्जुनी प्राथमिक स्कूल में मासूमों के साथ बर्बरता का दृश्य

शिक्षक पर मारपीट का आरोप: अर्जुनी प्राथमिक स्कूल में मासूमों के साथ बर्बरता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पहुंचे मौके पर

शिक्षक या जल्लाद?

ग्रामीणों की चेतावनी के बाद जागा प्रशासन, शिक्षक को किया निलंबित

सिवनी। राष्ट्रबाण

आदिवासी बहुल विकासखंड कुरई अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला अर्जुनी एक बार फिर चर्चा में है। यहां पदस्थ प्राथमिक शिक्षक महेश चौधरी पर बच्चों के साथ लगातार मारपीट करने और दुर्व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगे हैं। हाल ही में स्कूल के भीतर घटी एक घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैला दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षक चौधरी द्वारा कक्षा दूसरी में पढ़ने वाले 6 वर्षीय बालक रवि भलावी का गला दबाने की घटना सामने आई है। यही नहीं, उसी दौरान एक बच्ची को भी शिक्षक ने बेरहमी से पीटा। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

ग्रामीणों और परिजनों में आक्रोश

वीडियो वायरल होने के बाद बच्चों के परिजन और ग्रामीणों में रोष फैल गया। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षक महेश चौधरी लंबे समय से बच्चों के साथ मारपीट करता है, लेकिन भयवश कोई खुलकर सामने नहीं आ पा रहा था। अब जब वीडियो सामने आया है तो सच्चाई उजागर हो गई है। बच्चों के अभिभावकों ने बताया कि उनके नन्हे बच्चे स्कूल जाने से डरते हैं। कई बार बच्चे घर आकर बताते हैं कि शिक्षक मारता है, गालियां देता है और मानसिक प्रताड़ना करता है।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष पहुंचे मौके पर

राकेश सनोड़िया, जिपं उपाध्यक्ष : छात्रों पर बर्बरता बर्दास्त नहीं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष राकेश सनोडिया अर्जुनी स्कूल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रत्यक्ष देखा कि शिक्षक महेश चौधरी बच्चों को प्रताड़ित कर रहा था। इसके बाद जब उन्होंने ग्रामीणों और परिजनों से बातचीत की तो उन्होंने भी शिक्षक की शिकायतें दोहराईं और कहा कि यह पहली घटना नहीं है, बल्कि लंबे समय से बच्चों पर अत्याचार किया जा रहा है।

ग्रामीणों के आक्रोश के बाद कार्यवाही

ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि आरोपी शिक्षक महेश चौधरी को तत्काल निलंबित कर उस पर सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि ऐसे शिक्षकों की वजह से बच्चे शिक्षा से विमुख होते हैं और स्कूल का माहौल भययुक्त बन जाता है। अर्जुनी और आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना चेतावनी है। यदि समय रहते प्रशासन ने कठोर कदम नहीं उठाए, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा हो सकती हैं। ग्रामीणों की चेतावनी के बाद प्रशासन द्वारा शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

इस घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार जहां बच्चों को भयमुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की बात करती है, वहीं एक शिक्षक द्वारा मासूम बच्चों को पीटना, गला दबाना और मानसिक प्रताड़ना देना शिक्षा प्रणाली पर कलंक की तरह है। अभिभावकों का मानना है कि इस प्रकार की घटनाएं न केवल बच्चों की पढ़ाई पर असर डालती हैं, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को भी गहरा आघात पहुंचाती हैं।

मंदिरों में चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

सिवनी। राष्ट्रबाण

सिवनी जिले में चोर गिरोह सक्रिय है जिनपर अंकुश लगाने का प्रयास पुलिस कर रही है।जहां सुबह के समय चोर गिरोह एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिससे चोरी की सामग्री बरामद की गई है।आदेगांव थाना प्रभारी आशीष धुर्वे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सिमाला प्रसाद एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा, एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी के नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। 14 अगस्त को प्रार्थी देवकीनंदन दुबे पिता बद्री प्रसाद दुबे उम्र 42 साल निवासी ग्राम परासिया के द्वारा शिकायत की गई थी कि एनएच 44 रोड के समीप बंजारी मंदिर परासिया में दान पेटियो से नगदी किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मंदिर शटर गेट एंव दान पेटी का ताला तोडकर दान के पैसे चोरी कर ले गया है।जिसके बाद अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

मंदिर चोरी की घटना लगातार होने से समूचे क्षेत्र मे धार्मिक उन्माद फैलने जैसी स्थिति होने से थाना प्रभारी आदेगांव एवं थाना धूमा के द्वारा चोरी ट्रेस करने हेतु टीम बनायी टीम द्वारा संदेही आरोपी के पूर्व के अपराधिक रिकार्ड घटना से संबधित लगभग 100 सीसीटीव्ही वीडियो/फुटेज खंगाले जाकर फुटेज में दिख रहे सदिग्ध व्यक्ति सत्यम पटेल पिता निरजंन पटेल निवासी ग्राम बाम्हनवाडा थाना घंसौर को नागपुर से अभिरक्षा में लाकर बारिकी से पूछताछ की गई जो अपने साथी रामकृपाल पटेल ऊर्फ अमका पटेल जाति लोधी निवासी सरई चौकी छिन्दा थाना केवलारी के साथ 6 चोरिया थाना आदेगांव अप.क्र. 194/25, थाना धूमा 275/25, 287/25 एवं थाना नैनपुर जिला मंडला के अप.क्र. 334/25,345/25 एवं 369/25 कबूल किये है।

आरोपी सत्यम पटेल द्वारा पूर्व में 2024 में मोटर साईकिल चोरी 2 मामलो में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।इस कार्यवाही में एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी, थाना प्रभारी आशीष धुर्वे, थाना प्रभारी धूमा राजेश सक्सेना, रजनीकांत दुबे,आरपी सिंह धूमा, प्रधान आरक्षक रमेश गोठिया ज्योतेश्वर धुर्वे, जयप्रकाश,अरूण पटेल,प्रखर चौकी छिन्दा सायबर सेल टीम शामिल रहे।

धनोरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 72 किलो गौमांस के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

अवैध मांस कारोबार पर लगा शिकंजा

धनौरा। राष्ट्रबाण

सिवनी जिले में गौवंश तस्करी और मांस का अवैध कारोबार करने वालों पर पुलिस लगातार नकेल कसने का प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में थाना धनौरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 72 किलो गौमांस और एक कुल्हाड़ी जब्त की है।

धनौरा थाना प्रभारी मनीष कुमार बंसोड़ ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि ग्राम गुधना में कुछ लोग अवैध रूप से मांस का कारोबार कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक शिमाला प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा और एसडीओपी घंसौर नम्रता सोंधिया के मार्गदर्शन में थाना स्तर पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने रात्रि के समय ग्राम गुधना में दबिश दी और तीन आरोपियों को मौके पर पकड़ लिया। इनमे कविलाल पिता बलीराम सल्लाम, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम गुधना, रुपलाल पिता विजय इनवाती, उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम गुधना, सवितलाल पिता राहूलाल परते, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम गुधना के रूप में हुई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के कब्जे से 72 किलो गौमांस और अपराध में प्रयुक्त कुल्हाड़ी जब्त की है।

ज्ञात हो कि सिवनी जिले के कई हिस्सों में लंबे समय से गौवंश की अवैध तस्करी और मांस का गुप्त कारोबार चलने की शिकायतें मिलती रही हैं। पुलिस समय-समय पर कार्रवाई करती है, लेकिन इस धंधे में संलिप्त लोग लगातार सक्रिय रहते हैं। हाल ही में विभिन्न थानों में हुई कार्रवाइयों से यह स्पष्ट हो गया है।

कड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 306/2025 पंजीबद्ध किया है। उनके खिलाफ मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4, 5, 9 तथा धारा 325, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। चूंकि यह अपराध गंभीर और सामाजिक दृष्टि से संवेदनशील है, इसलिए पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

पुलिस टीम की भूमिका सराहनीय

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मनीष बंसोड़, सहायक उपनिरीक्षक मानसिंह मरावी, आरक्षक रुपसिंह मरावी, सैनिक समन सिंह उइके, आरक्षक मानसिंह मरावी, देवेश चौधरी, संजय भलावी और भास्कर सरवैया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम ने रात के समय गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई कर अवैध कारोबार पर लगाम लगाई।

रेडक्रॉस सोसायटी सिवनी की प्रबंध समिति का होगा गठन

सिवनी। राज्य इकाई भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेश के जिलो की रेडक्रास शाखा का गठन किया जाना है। इसी क्रम मे जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष के निर्देशानुसार रेडक्रास इकाई शाखा सिवनी की प्रबंधन इकाई का गठन दिनांक 02/09/2025 दिन मंगलवार को दोपहर 03 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे किया जायेगा। जिसमें रेडक्रॉस की जिला मतदाता सूची में अंकित आजीवन सदस्य अपनी सदस्यता रसीद के साथ उपस्थित होकर समिति की गठन प्रक्रिया मे भाग ले सकेंगे।

979.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई

सिवनी। भू-अभिलेख कार्यालय सिवनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 01 जून से 28 अगस्त 25 तक 979.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। विकासखंडवार वर्षा की प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 28 अगस्त 25 तक विकासखंड सिवनी में 835.6 मि.मी, कुरई में 680.2 मि.मी., बरघाट में 734.6 मि.मी., केवलारी में 1206.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई।

माध्यमिक शाला देवगांव में गणित-अंग्रेजी शिक्षक नहीं, ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अजीत जैन, विकास खंड शिक्षा अधिकारी : बच्चो की शिक्षा से कर रहे खिलवाड़।

मंडला। राष्ट्रबाण

विकासखंड मोहगांव के अंतर्गत आने वाली माध्यमिक शाला देवगांव इन दिनों शिक्षक संकट से जूझ रही है। विद्यालय में गणित और अंग्रेजी जैसे प्रमुख विषयों के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। यही कारण है कि ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान न होने से गुरुवार को ग्राम पंचायत देवगांव के समस्त ग्रामवासी एवं पालकों ने कलेक्टर मंडला को जनसुनवाई में आवेदन सौंपा।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि विद्यालय में विषयवार शिक्षक नियुक्त नहीं हैं। यही नहीं, पिछले 15 वर्षों से प्राथमिक शिक्षक लक्ष्मी सोनी को अटैच कर माध्यमिक शाला देवगांव में पदस्थ किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्राथमिक स्तर पर भी शिक्षकों की भारी कमी है, ऐसे में प्राथमिक शिक्षकों को माध्यमिक विद्यालयों में संलग्न कराना शिक्षा व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है।

शिक्षा विभाग पर लगाए गंभीर आरोप

ग्रामवासियों ने आरोप लगाया कि विकासखंड शिक्षा विभाग मोहगांव संलग्न (अटैचमेंट) के नाम पर शिक्षकों का मनमाना खेल खेल रहा है। जहां पहले से ही प्राथमिक शालाओं में शिक्षक नहीं हैं, वहीं उपलब्ध शिक्षकों को भी अटैच कर अन्य विद्यालयों में भेजा जा रहा है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और बच्चे मूलभूत विषयों में पिछड़ रहे हैं।

ग्राम सभा में पारित हो चुका है प्रस्ताव

ग्राम पंचायत देवगांव ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए 15 अगस्त की ग्राम सभा में समस्त ग्रामवासियों की सहमति से प्राथमिक शिक्षिका लक्ष्मी सोनी को हटाने का प्रस्ताव पारित कर दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से स्पष्ट कहा है कि माध्यमिक शाला देवगांव में विषयवार (विशेषकर गणित व अंग्रेजी) शिक्षक की नियुक्ति की जाए। प्राथमिक शिक्षिका लक्ष्मी सोनी का अटैचमेंट समाप्त कर उन्हें उनके मूल विद्यालय में पदस्थ किया जाए, शत्रुघ्न मरावी को भी तत्काल हटाकर विषयवार शिक्षक की नियुक्ति की जाए और ष्टष्ट कोपा सिंह धुर्वे और पुरुषोत्तम भवेदी की जांच की जाए क्योंकि वे विद्यालयों का नियमित निरीक्षण नहीं करते हैं।

बच्चों के भविष्य की चिंता, उग्र आंदोलन की चेतावनी

ग्रामवासियों ने बताया कि गणित और अंग्रेजी जैसे विषयों में शिक्षक न होने से बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। माध्यमिक स्तर पर यदि आधारभूत शिक्षा मजबूत नहीं होगी तो बच्चे आगे की पढ़ाई में पिछड़ जाएंगे। इससे उनका भविष्य अंधकारमय हो सकता है। ग्रामीणों और पालकों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव और जिला प्रशासन मंडला की होगी। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी समस्याएं बता रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अनदेखी की जा रही है। अब धैर्य की सीमा समाप्त हो चुकी है।

शिक्षा व्यवस्था पर सवाल

यह मामला शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है। जब प्राथमिक शालाओं में ही शिक्षकों की भारी कमी है, तो वहां से शिक्षकों को अटैच कर माध्यमिक विद्यालयों में रखने का औचित्य समझ से परे है। इस स्थिति से न केवल प्राथमिक स्तर पर बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है बल्कि माध्यमिक स्तर पर भी शिक्षा की गुणवत्ता गिर रही है।

बाइक चोर गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

सिवनी। राष्ट्रबाण

सिवनी जिले की बंडोल पुलिस ने एक बाइक चोर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी की प्लेटिना बाइक बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार 8 अगस्त को रमनसिंह मर्सकोले ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि बजरवाड़ा से बांदरा जाते समय सेमर टोला में हरिप्रसाद के घर के सामने अपनी प्लेटिना बाइक खड़ी की थी। इस दौरान कोई अज्ञात व्यक्ति बाइक चुरा ले गया। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान संदीप साहू को हिरासत में लिया। वह नागपुर महाराष्ट्र का रहने वाला है और फिलहाल छपारा के संजय कॉलोनी में रह रहा था। पूछताछ में उसने बाइक चोरी करना स्वीकार किया। उसने बताया कि चोरी की बाइक को बीसावाड़ी रोड स्थित पुराने क्रेशर के पास खंडहर की झाड़ियों में छिपा रखा था।

पुलिस ने आरोपी के पास से 35 हजार रुपये कीमत की प्लेटिना बाइक बरामद कर ली है। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में और भी खुलासे हो सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433